न्ने'र्क्रॅन'नश्चन'न्छन्'क्षन'न हुन'ननश्चन'सुन'।

यर्मर:मायमुमार्गरम्य सुन्। महेराके प्राकेष प्रेत्र महिरा

অ'সবি'নাউম'শ্রুনা'সম'নষ্ট্রনামা

नमेर्स्रिट्मो नसून गुति इसमालमा सर्दे उसम्बद्धित प्राप्त निवा लया सुद्दालेश गुन नलुमाश स्त्री

सर्वेद्र'यहेद्र'र्सेम्बा

२०। । १० में १० क्या में १० मान्य में १० मा

ने'या प्राया अर्थेट 'न' अर्टे क् 'श्रु र 'यदे 'र्ये क 'र्य अर्थे स्थर माल्या' मुद्री माल्य 'र्स्सिमा' शुर् 'लेमा 'र्ये द 'यदे 'र्ये क 'र्य क द 'र्य माल्य 'र्ये माल्य 'र्सेमा शुर् 'लेमा 'र्ये द 'यदे 'यदे 'यद्य य अर्थे 'या केमा 'यु 'त्रे । माले 'गु क 'र्स्य 'र्सेमा अर्थे 'यदे य देव 'या माले या देव 'या व 'या व

यरेन्यनेदेरणुन्युट्यो कुर्य्यया र्यंन्या मित्रा या वित्रा वन्यार्थेन्यान्या नेप्नायह्मार्थेमामी द्वाप्यन्यप्यान्या <u> ने 'यश क्षु नश मानश निर्वात अर्केमा माशु अ'या क्षु नश शु'दर्मी र्स्त्या</u> ५८। श्विम्राशुःर्रोट क्रायम वम्रानेय महिराय र्रोम हिटा ने'प्रश्नामेश्यम् मुम्मि'प्रम्यामु'म्भ्मिम्भेश्यमेर्म्, नुनुनुनु यदे इसमालमा में मा मोदे भेमा साथ स्था से प्राप्त मारा पर्या से स यम्द्रियामाशुक्षाक्षराचिरोत्रीमाश्वापाष्पराप्तामामी यकान्द्रीशः र्येदे मान्यार्केन है हि हा नरमा हुन या यन है र्कन यदे रेया या इट रु र्षे द रवि त्रु से द रवि र्केश की रहेवा शुम्र के द र्थे। त्रुट क्याहे भूराम्बिम्यायायविकायर्मेययायरायहराययात्रा शेरा वर्नेरार्बे्र्रायराष्यावके वाचमु स्यामी द्युया कर्षेत्रायरा तसमार्थानेद्रा अवदाधरायदेष्ट्रम् प्राम् वात्राम् स्मार् यम्यविद्ययिष्युम्बाहितेय्वद्याकृत्। श्रूट्बायप्द्रम्भ्याया ष्ट्र प्रम्यम् म्रुअः स्व ची परे प्रम्य मेग्रा परि र्थेत प्रव स्व में के'सुया'तु'त्वुद'तु'सेद'र्छद'त्यमा'तृ'सेद'यदेग्यदमा'हेद'रुद ब्रेंन'य'सहसासेन'नुण्येक्ने'ने'हेन'ण्येन्न्न्यार्येक्यसामें न'पेन्ना ने' यासुटार्हेम्बराणीयसून्याम्बर्ध्यासुर्येद्रायाया हेम्बरायदे

नम्भन्यानभूनायान्त्रनायान्त्रभाषाम् अभाग्नीया द्वाषिभगणी पश्चापाय के पेंदा हता भाष्य परिषा के हेता पेदा याभा वर्। यदया मुया ग्री प्रमुद्दाय दे भ्री दार्या प्रदार में में विभग्ने देन प्रमानिका माटा देन में श्रीटा पर्या पाद हैन पा र्धेम्यरिक्षेत्रपार्वेदाण्यायार्वेदायमाम्यूद्याने। हिन्नदात्रा र्झेन'य'श्रुम्य'हे'ठन'हेर'ण्चै'लय'नया माट'न'र्नो'र्ह्सेट'यर्प' न'वहें त'य' भें त'ये वें मुबारे ने स्ट्रान नित्र मा वें त'त्र यरुषा बार्सुम्बारितः हित्राचिषाया ब्रेटायरा अर्सेम्बारा रेराटायटा मुमायायया कुटा हुरा ने पत्र र्। पर्यायायायर्द्ग्रायायाण्या हे द्वरायात्रे के मुस्ययाणे माने।।रे'यश'दन्यश'इसश'क्षे'चर'दशुर'च'क्षर।।रे'चनेत पर्यापपर र्थेमाय सेता समया श्रीमानी परे प्रवेत रे प्रयाप सेता क्रम्य क्रम्य गुट क्षे । द्वा विस्य प्रें न क्र गुक की मार्य शु नमें िशाने 'भे मानश' ने 'पन्य' पा भेन 'पन मार्य हा । अर्हिन' अर्केमायद्वायार्हेमायायायदीयात्रयाप्रोदेश्चेदार्केयार्झेदायदी ते^ॱमात्रयात्रसूर 'वेटा। विषार्थमाया अर्दे 'द्रा पश्च पर्वेया दुः या यथा यटशक्षराणु पश्रम्ययेष्ट्रमा अहिन मार्डमा सुर्वे र्थे घर चुर्द्वा विस्रा कुराधेन सम्मासुट्या

ने'या'यद'र्से' घर'रेगारा'यमुद'र्येद'यदे'त्रद'त्ररा'द्यो स्त्रीद'मी' र्षेम'य'हे'र्सेट'यरुद'एर्पेट'यठम'ग्रे'ढ्वा'विसम'पेद'यम्। नगे र्द्या ग्रे केंग पार्शेग शर्केश पाया विदास सम्राथित स्वर्था प्राथित सम्राथित सम् यूर्याधेता हैरावहेत्यरार्हेग्यास्त्रायात्राया ८.क्र्मा.धेश.ध्रेट.सेंच.क्र्याश.मी.स्रा.चंश्रेच.तरा.ह्माश.तरा. चेर्'रा'या अर्देन' गुर'पद्रैर' भ्रें नय' पश्रेन' यर' हैं गय' द्र्येय' यथा ईसायायेन यदे खुवा सायन हीं न दमी पद्न दि न च उथा या इसरा गुटा रूटा रेवी 'वेंरा केंरा मालुटा दरा मासुटरा या भूर क्टायान्मीया र्वेमायायेनायायेति हेन् शुमाटा नमायायाया त्याया मेत्र र्श्वेयाया क्षे प्रते प्रमाय करा र्श्वेयाया प्रदाय विदा अयुक् में के के या में या सुरा प्रदान के ता का का मारा मिट्रिट्राचर्र्सम्बर्धिः चुर्द्रस्यश्कुर्द्चेत्रयायः र्देग्रार्थेम्बर्णेः र्झे क्राभी रुट पासे दायर रुट पार्क दादि । स्वापार्थे मार्था के रापदी र्श्वेट र्र्ध्याय येत्र पर्दे द द्वा पुरुष्टी गुत्र र्श्वेट र्र्ध्याय र्र्घ्य प्यते । रुषानेषाया देषाच्या देषाच्या देषाय विद्या देषाय विद्या यहारा विषय विद्या विद्

क्यामिसरामशुप्रायपेयस्य पेता

<u>ने भूर र्षेयायात्वद्याया उया ग्रीया ये ये विषायर यावता श्लेपादणे </u> पर्व'र्द्द'यठम्यपे'दुद'व्याहे'सूर'पम्यत्वद्यायापिवेद श्रद्भारमान्याम्बर्धाम्यायह्मार्थेमास्ययेक्यान्यास्य प्रवित्र रु श्रुट प्रदेश क्षें त्रश्र द्या विस्रश्र द्या प्रमान्य स्राध्य र प्रमान्य र स्राध्य र प्रमान्य र स् विष्णयभिवाक्षेत्रके विद्या देख्य प्रमुद्याय प्रायापाय क्ष्य विषय हैर'र्धेन'नन' श्रम्भ र उर'ग्री स'न' भेन' य'न रा रे'र्ख्या निवन नश्रू नियम प्रें नियम के मानश्रू मानश्री मानश् न्भेग्रास्स्राभेरान्याया प्राप्ता प्राप यश्नाद्यास्त्रियाष्ट्रियाप्त्रियश्चर्यायद्वायत्यायद्वायत्यायद्वायत्यात्वायत्यात्वायत्यात्वायत्यात्वायत्यात्वाय म् वित्रात्यास्य स्थापायस्य स्थापायस्य स्थापित्र स्थापित्र स्याप्त स्थापायस्य स्थापायस्य स्थापायस्य स्थापायस्य र्शेम्बरप्रहेम् हेर्यायसप्रद्याद्रायायद्याणु पेर्वरहराष्ट्राया उर्'नक्षेर्'यपे'म्बि'र्टा स'नायट र्ख्या पिस्या हैरा धेरा है। न्युट्राचब्रामीशालुश्रायदे कुन्यशा हे क्ष्र्रार्थे में माघसश उर्'रायादी। यहेव वर्षा क्षेत्रं सेर्'यर दे क्षे या भूर। रे यहेव र्द्याप्तिस्यापित्रम्यानेत्रम्यार्देयाप्त्रम्यान्त्रम्

यशके समायम स्रोविषान्या सुम्बल्यायायन्याय केता सेविष भर्ने प्यमा द्वा विभयाने प्रमापि केंगा प्रमाण करा की मान र्शे। विटायार्शेमायायवे सामायायीतायायीताया विटा <u>५र्थे के केंद्र पात्रस्था रुद्र की विश्वेषा स्थान वर्षे पात्र केंद्र प्राप्त केंद्र केंद्र प्राप्त केंद्र प्राप्त केंद्र केंद्र प्राप्त केंद्र केंद्र प्राप्त केंद्र केंद्र केंद्र प्राप्त केंद्र केंद्र</u> वस्रा उर 'ग्रे विवासर 'दर्गे 'चर्रे | चिमु 'च्रेक 'ग्रे व्यासर्क ' नर्भेट.य.क्षेत्र.क्ष्य.वश्वर.वटे.क्वे.मेजा.शक्य.ब्री ।क्रुंग.त.वश्वर. उर्दर्दर्द्र सेट मी यस माइन मार्डेन पर्वे । श्रेमा पर्वे न्दर वसरा उर मर्शे परा भ्रम की र्सेट में भ्रम्ते । शिर मदे परा १ अया ८ प्रति मुगयार्के गया थे। १ १ में ६ या प्रते प्रमाप है यथा यदे में अर्देन में वितर्भे म्यायदे सूया महमा या सेया पदे मेगा ह्माराश्री हिमापदेकुपर्या ह्मियापदे निर्मापदी विराप्ता या केत्रम्मम्यायास्य स्वाम्या र्वेगासरार्द्याप्रिस्यापन्दार्यास्य सर्वे रेस्स्युनायदे स्वा रुयावरानः श्रीयानपुरवेशः श्रेशास्या रुयास्या यस्या श्रीटायपुर माहेन'र्ये उन्। र्व्याप्तिममा मेर प्रमम्भे पर्मा है। विमारमा सक्रम'सेन'नुगमा'रेंदि'यस'रेस'यर'मुन'यसा र्ख्य'विसस'न्ट' भ्रात्त्रेयायभयायाश्वयाद्यम्याययाभ्रात्रम्या । यदयास्या ฃ๊ฒมฆิ๕๘ๅฉฺฆฺลูฆิรฺฃฺฐ๛ฺฐ๛ฺฆิฑ์สาวัๅๅรฺรฺๆฒฺฆ

विद्यायाधित ते । विद्यायायिताया द्या प्राप्त भेरे देशाया हेता तथा ल्या निया की त्रा हिता विकास कर त्रा मेया नर त्यूर न पीत हो। विश्वाद्या गुक्रां मोहिक मोदि के का प्राप्त अक प्रमा अहिंद प्राय गुप्ता नस्रम्पदे स्यात्रिक्याविक्यायेकायान्याप्त विदासेना यमःवेशःयः नदा। शुदाः र्रेशं से न के शक्षः सः मुयाना नदा। यितः न्न'ग्न'चै'हेन'र्'नेश'य'र्टा।शर्षे देशतह्मश्य'ये स्थार्थ मेशपान्यावरायरामर्गिन्यदेग्वर्षेत्रपरमेशपान्या ष्ट्रिस्य मार्स्ट प्रसूट प्यामा देश श्रुषा द्वत प्रता नु । विषा प्रा पह्यासर्गेत र्सेट 'प्यापाकेत प्रायास्या हिया प्रिया हैया है पा पष्ट्राकें कु। कें क्र सें म्याद्राके या प्राप्त के या प्र नगुते नन् या अपने देवा में न्या निष्ठा निष्ठ भेर्भ्यरपर्योग्नुद्र्यारेष्ट्ररावेशक्रायदार्गात्वद्रायदे मिस्राप्त्राप्त्राम् स्रम् भूषा भूषा प्रतित प्रसूष्ट प्रम् सर्वित । वर्त्तेराद्याणुदाकुस्यायोत्रादेशक्ष्याय्यावरावरेदाष्ट्रीताणुदादेश निवर निश्च प्रकृत पर्वा भिष्य सेंग्या मार्य उत् भी सायश मून ग़ॖढ़ॱॻॖऀॺॱॺय़ॖढ़ॱय़ॸॱॺऻॶ॒ॸॺॱऄऀॸॱऻॺऻढ़ढ़ॱख़ॸॱढ़ॖ॔य़ॱॺॖॆॎॺॺॱय़ॱ

यहेत्रत्यायेशयासूरामें दात्यामें दारु खरायरातु पर्यो या ५८१ शेशश्चरपदंकेत्रं में इशश्चर्यत्रस्य स्ट्रियाया सर्ह्रियायमः त्युरानाद्रा भ्रेनामार्श्यायाँ का नरुषाया भ्रद्याय विष्या स्ट्रा यदे भेरे ने वा स्वाय विवर्षे या या प्राया स्वाय विवय के मिन मार्नेत्र'नर'अ'सु'नेमा'य'स्त्र'णुट'घसर्था उद्द'द्माद'न'न्रेसेुद्र' यशः मुक् इस्रशः ग्रेष्सर्वेगः ५८। द्वाः विस्रशः ग्रेष्मग्रायदेः देः नश्रा है है र्सुमाश साधित पर र्सुमाश वसश उत् त्यों नश है नश्राह्मस्याणीयकेषाप्ता द्वाषिस्याणीपूर्वापादे हेता श्रीत्रायदे क्या नित्र होता त्रा विचा ता विषय कर की श्री श्री की ५८। रयाचुरामी म्याबार्यकायहें का यारा क्या ष्ट्रिस्याद्याप्य प्रमालक प्रमाणका सुवा प्रमुख का विस्ता स्था का स्था का स्था का स्था का स्था का स्था का स्था क याकी श्रेंचान्यें न्ययार्चे शह्याष्ट्रियाष्ट्रिया देश चत्रियमाञ्चिद्यमग्रम् इस्सम्बद्धाः नद्यम् अभ्यास्य नेशम्बद्धाः अप्याण्चे क्षाप्ति । विकामिन क्षाप्ति । विकामिन क्षाप्ति । सर्वेग रेश नु।। वसरा मासुस गाुन फू धी ५ र्वेट दे नसूट है।। र्यः ५: वृदः ५८: शेः त्यायः वृयाः यः धेता। क'त्यमार्था अञ्चत'या दिया विभया स्वत शुरू त्या भियो प्रे प्रे प्रे ते । तसम्बारायर त्युर।विषार्शम्या मुक्तराम्युर्वायाया मा

द्वाष्ट्रिम्याप्तराष्ट्रम्य स्वाप्तराम्य हेया के स्वाप्तराष्ट्र *ૹ૾ૺ*૾ઌॱૹ૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૹૢૻ૾૽ઌ૽ૼૺ૾૱૱૱૽૿ૢ૽૱ૻ૱ૐૼૢૻઌ૽૽ૢ૿૱ૻઌ૽૽૱ૻ न्यायदाम्बुद्याने। देष्ठेदायया मृदाययान्यानेयासूरायदे रुयान्याण्याधियाद्यान्याययात्वात्याविताक्षान्ताध्या युमाप्रक्तां अमें अमानुमा अर्चे ना ना गुक्त कुर प्रविस् । ने से स्वा <u> प्रिया १८८१ में या या अर्क्रमा प्रिया विया र्यमाया मार्य ८ या पा सिरा</u> र्राष्ट्रमायर क्षेम्बायय प्रतिर्वय प्रतिर द्या विस्वा पश्चा द्या माशुर्भाची यह्या सुर्या प्रथया उद् छित्र सर्वत दुर्या दुर्गा पृ सर्वेद यदे यत र्थेत यश यत र्थेत के न न न न माय य ह न श नश्चनम्बिः र्षेट्या हेनाया नयुटानायया नेटायटान सुदाया १भर्या न्याया प्रति द्र्या सु 'प्रत्युत्रा पा सु 'या हैया 'प्रसुत 'प्रत्य 'प्रते ' के'नर'मासुरस'है। हैट'टे'वहें तमुवा'रेवि'सर्दे'वसा नस्रवा'रा' नु न महुदे नु है ५५५॥५८ नदे सेसर चैया वया ५८ है स मुर्थानु नाष्या विया रेअ में रानुया या नार यो या र अ के या र ना रू पहेमा'स'न्एगानने'मानेमार्थानञ्चत'स'प्यामा'सर'प्युर'नवे' कै। १३ व अळव ५५ वे पशुपायाम देमा श्वें ५ पा। पर्शे ५ वस्र १ पर्

यश्णुद्रा द्वाष्ट्रिस्य सस्य प्रम्प्त्र प्रमुद्र्य स्वा । स्वर्पिय म्माम्याययाष्ट्रपा के द्राक्षाका के मानुमाया उत् इसराणेरामार्नेन'एकें'गु'नर'से'नुरामान्। क्षु'इसरान्याप' नर'वयुर'न'५८। क्वे'र्ने'गुरु'ग्वेश'नक्वें,'ठेट'ह्वेद'ग्वर्थ'शु' वशुरानान्ता अविवार्श्वेनार्थाम्याश्चीयात्रान्तात्रात्रान्ता नमार्काना केराया दर्शेराया केरायमा केरी 'तुषा गुषा क्षा भर्चे भूषा शुः श्रेषा प्राप्त शामिषा श्रीषा स्वाप्त स्वापा प्रम्या प्रम्या प्रम्या स्वापा प्रम्या स्वापा स् म्याप्तिः वर्षः याः वर्षान्य प्रत्युरः याः वर्षान्य प्रवर्षे वर्षान्य प्रवर्षे वर्षान्य प्रवर्षे वर्षान्य वर्षे भे । ख्रिन मा गुर्य में दिया अर्दे म ज । यह या मुया न र्डे या भ्रत पर्याणु प्राचाया है भ्रम् प्राच्या प्राचित्र प्राचा सूर्य जी मात्र प्राच त्रूट र्देर सापर्केया परि क्षें न्या र्क्या पविन १३सया सु त्रूट या न हो। र्ने द्वा अधुक प्रवाद र्भे निमा मु प्र सुर प्रारम मिर्देक की वाया धिका

क्यामिससामग्री स्थापिः क्रियाम्या

षट र्मेश भ तुर्श दश द्या प्रदेश प्रद यदे अर्थ्ययाययादन्यान ने भे या प्रमादन से ए पुरा प्रमाया ग्रै'हेश'न्भेगश'नेन'रु'के'न'स्रे। न्येर'न। व्हेग'हेन'न'न्यर' के'च'कुय'रेंदे'केंमा'यश'दमाय'च'चुश'का भ्रवश'दमाद'लेग'मी' केंकन्यावनुष्या वमविष्वमामीकें सेस्रान्यरमीसासीवनुष्य न'यद'शेद'र्सेद्रा क्षेत्र'य'नर्डे अ'स्त्र'यद्रश'णेश'रूद'मी'माद्र्य' चुराकु'अर्ळद्र'द्रादर्भेद्र'यादायादायदा होद्रायर'रदाद्रम्र नरुषायासहँदायाभेतायरास्टाम्बन्धीः शुषायामोर्नेदायाः र्शेम्बर्ग्णिरमम्। मुप्ता र्केबरम्। स्वाप्ताना र्क्याम्बर्धरम्। यर'वशुर'य'र्सेग्राणु'दर्गेश्र'य'षुद'यर'ठत'य'यहेत'त्र्रा नगग सून गुं नठश भ अर्द प्य पेत भग नठश भरे मक्सम्यायमायन्मान्द्रातायम्यायम्यान्यायम्यायम् नगायर अप्रुषास्रीत स्रायाय विषा मी के कर या यहार या भ्रमश्याप्याप्रविषायो कें भ्राप्त वृत्याया थित्यम् देशायम स्था भ्रेन र्सेट नमें या पा खे प्यदे पन्य की सुट पा या विन है। सुट

इस्रायचेरायस्य गटालेगार्स्रेन्यायुगसाहेरीयस्न्रायायायटा नर बेबब नि उदा बदायदय विदायादि के दे या बाह्या नम्याम्बन्द्रन्तर्वन। श्चिमार्क्या नेम्बार्यकास्य स्वीतः स्वा १ अया पत्रित्रापदि न पायया मुया सेति केषा केता यदा ।। पद्या <u> न'यन'पगप'कन'म'पर्वेच'भे'पशुम्।। श्रुच'मपे'नगप'सुम'</u> द्वाक्षेत्र'यन्य'गुषा'त्रा'त्रम्यम्'यर्गे'यगुर'षो'यदे'यन्य' ग्रामिलेगानेगान्तराम्यान्तराम्यान्तराम्यानेत्राम्यानेत्रा सर्ने प्रमा वर परि में ८ छिर ५ पर्मे प्राया द्वा हिसस छै मिट प १ अश्वान पर्मो भी नुश्यायम श्वाम पर्मिम प्राम्य पर्मिम विदासी मान तक्षेत्रार्श्यायात्र स्वाप्तस्या स्वया स्वया ग्रीया तर्हे स्वया प्रमाप्तरे ५८'मठरा'मे'मशुप्यामानिता द्वा स्यामिसरायप्रमाममाध्य यदेश्वर्भण्यश्चारमञ्जूष्याने। हिस्सर्तु हिस्सर्भमासेर ग्रा नुग्राश विद्या के दिए हिन्दा दिया हिस्सा से दान के सा भ्रासर्वेटा। हि सुरामट सेटायस पह्यायाया तुर्या दे पविता द्वाष्ट्रियाक्षेत्रक्ष्यरक्षेत्र्यूर्यावेयर्थेग्याक्ष्यर्भेग्य नश्रम्भेरम्भेरम्भाष्ट्रम्यास्य अप्तास्य त्रे म्यायाया लुगाया णुटा कुटा में क्या गायुट्या भरी पटें या गुचा केन'र्भ' इसम्याण्ट से 'प्याप' स'ने पहस्य प्रमा स'नु प्रमा

क्याम्बर्धायकयायात्रुचान्चरामेशास्यायायाचारास्ये सा मासुरसाने।।सुरद्वायद्यामें रायमें पायी।।सुयादरार्सेम्बायाण्या माधिकार्ने। विषायाद्यायदी यात्री। स्वायायम्य यात्रायाया ळॅन्।। क्षे 'र्ने र्द्ध्य विभग्ने अन्य दे 'या दे 'या ने 'या वे 'या व अर्घे रेशसु अट से त्युर विटा। यदे या अर्केमा द्वट से त्युर य। मिया प्राचारी त्रा ततु र म्याया स्थया स्री प्रची पारा त्यी र यार्भेशक्षिप्रविषाविषार्भेग्रायार्भर्गप्रस्तान्यस्त्राप्तर्था র্ভুমান্রিমমানেকমান্ট্রিইমান্ধীনামামরেমেমানাম্যুদ্মা मिट्राम्बित्यपट्रक्याप्तिस्याप्रकयात् हेर्द्रम्भेर्गेयस्य उर्'णैय'वसु'बेट'र्सेर्'यवे'ग्वय्य'सु'वशुर'य'र्ट'रूट'रेर्' त्यात रोभया उत्र स्थया द्यात प्राप्त स्थया अयत र्शेन द्रा क्रायम् अर्द्धायार्श्वेत् यये प्रमाया इससा श्रुम्या सेया या ८८। ८०४ म् वायाणी क्षां स्थयाणीयाण्या केरार्क्षेट्र केटा द्वा र्धेमार्यान्द्रपण्णे र्केमार्या इसर्याधिदादमादान्या प्राप्ता स्वाराज्या स्वाराज्या । वर्ग्येन'य'न्द'यरुष'हे'वर्क'यदे'नुष'हेन'या थेंब'हर्वामेंद'रा भै'दर्वेच'केटा। वेच'बेक'य'क्षष्ठाणुट'क्षष्ठायर'दणुर'च र्शेग्रायदी'धे'व्रस्य उद्दु'हेश'दसेग्राय'वेद'तृ'के'चर'

र्ख्याष्ट्रिस्य स्था यदे स्था

र्द्याप्रिम्या है भूमान्युटान्ये र्द्याया यटा हमाया श्राम्या यदै'न्द्र'र्ये'सुदै'मुन'नमे'यदै'यनेशमाहेन'य'यहेन'नश नशुटाद्ध्यादी आपकार्श्वेनान्टा मान्याणीः तायार्थे मायान्यो यदे यनेशमानेत्र अर्जन ने न प्रत्याय क्षा या प्रत्याय क्षा माशुटश'यदे'पशुप'ठुदे'मात्रश'त्रश्रायेगश'यर'१ठत'त्रश'तूर' र्देराची मानदा समयाया क्षे पर्देगाया केंद्रा परा गुया है। द्वा प्रविता 5'नशुट'न'नट'।माठ्ठेश'य'कट'मी'मेुक'नशश'य'सुक'र्केमाश'य' नहेन नशानशुद्धा देश दर्शा त्रमा १००० त्रमा मी र्श्वेदायमा मटमी भ्रम्यश्रु अट द्रम्भेश यमा ॲट द्र १ १ १ १ १ १ १ नश्चन नृते मान्द स्मयायया भे पद्दान स्वापनित्र दु नशूट न दे 'प्रेम् । मशुभ पा भी भश्व मुंग्य 'टे 'मेय परे 'क्ले 'क्य' मशुभ र्शेम् य र्शेभ प्रदेश अधुक र्सेम् य दस्य र्रे मेश प्र प्र पृष् ने द्यापनितर्पप्तस्य प्राप्त स्थापनित्र स्यापनित्र स्थापनित्र स्था

र्टाया समायदाङ्गा

देवे दर्भ समायवे हे या समाया वि है। यर हैं मायमा (भे र्यट्यार्श्वेर्) ग्रीप्ययायात्री पठयात्रवार्मे ह्यार्मेश्वेरामेयायात्रा विमामाभा रूटामावनाची 'युशासेट्रा' प्यमाची'यभामाशुभामाटारुटा ८८.ल्यस्यमातस्यर्गत्यन् न्यः भ्रम्भाशं श्रीटाल्याल्या यन्यायीरागुराया (न्दायमुप्या)यदीयसायादी न्योद्धिता मैश्रायदाय्यार्वेयाद्यायाद्यायायायायायाया नरुमा क्षे र्वेन र्त्ते क्षेया (८८१ क्षियमाय ५५८८) क्षेप्रेप्यशर्स्यायाक्षीयार्थेर्पयर्थयम् निष्ठित्योग्यस्य यशम्बन्यदे भेदभाभे राक्षम् यायायाम्बर्ग राभे भगा गुर्भारता दश'नर्भेश'यश'गर्शेद'यदे'र्बेर'न'नुश'य'देदे'मेुद'ग्रेश'य' र्रेयार्ये रूटामी स्रम्भीया (यह्न दुःश्चः)यदे प्रमायां देगे र्श्वेट र्या मार्थिय केया ता अये प्यें का क्रमा में या या ने या य पर्नेयाम्बुराने र्रायाणें वान्वारे प्रायास्य स्वायास्य पर्याक्ति, य.रेर.ता.य.केर.जि.रट.र्जय.ता.वीय.य.याप्रा.येया यायादमासळ् हेरा सुस्त मुर्शास्त्र या देश देता में या (५८)

नडम'य'णेक्। क्रिंग'निले')र्ये'(पर्ने'के')सम'यम्'पश्चर'निरे। सुट'न'णेक्'य'नर्डम'स्क्'प्रक्'णेम'(म्युटम'य'णेक्')र्वे॥

मार्रेशाया क्षमासदे हो।

मारेशपास्मासदेरमेरपासमास्य पर्यास्मास्य के परार्मेशपास्य (स्पा) पर्वेत परि क्षमा साती नमें क्षेट मोश प्राप्त सेसस माल्क मी 'भुषा मी 'न्या र्शेमाषा 'प्रचिक 'चे न 'सर्क हैन 'न्या स्व यशरेगारेटास्यापशासुपार्ट्योपेगान्यान्यात्रेयाया (एहेंत्र) या क्षेरे मेगा यदे 'क्षमा का की निगर्हें हा मी का कमा का बेसका ग्रैश'तुन'भेन'भळन'हैन'न्र' स्रम'यदे'खुश'न्रेशशभा ने'न्र' <u>पर्नेयानविभीशाञ्चार्थमाश्यात्रमान्तेन यश्माल्य प्रविश्वराण्या</u> रेमायायदमामीरागुराया (५८ वर्षमार्केमा)श्चायवेष्ट्रमासा है। दमे हेंदि मैश तुर से द सर्व है द द द स्वर पर कमाश रेशर्रेन में ना (महेन नग्र) महमाश भरे हमा अ है। सुर भेर्या कमाया येयया गुर्या दमो र्सेट म्हर्या प्रमिमा प्रया नक्षेत्र'नगुर'न'नष्टमार्थ'हे''धुय'नेर्थ'र्नेत्र'र्मे'ना (श्वत्र')ग्रे'क्षमा अकी नमें र्शेट मीश क्षेश या नटा नुन सेन से क्षायर र्शेन यदे क्षें नम्भाग्य ने निया में निया में

पर्येव मार्यस्यस्य ने प्रतायन परिश्चे रामाने वे में वा श्री सामे मार्रेश ग्री प्रमेर प्राप्त होता होता होता स्वाप्त (प्राप्त) प्रमास है। नगे र्ह्सेट मीर्याया निष्टा थें गुर नर्ख्या नर्याया निष्या दमा यर दर्गोव अर्केमा प्रश्रामालव ययि के द र द अर्दे व सुर स्त्री । यनमार्थे मारीमोर्ने तर् रूटाट्यायर्भेयाययामटायार्थे रात्र षु'नर्डे'नमुन'न्मा बेट'नु'षु'भ्रेन'न्मनुमार्चमान्यस्याण्चे' र्दर'यश्रभायायसेमाशकेर'वेर'वेरपा (पट'केर')धै' ञ्जमासादी नमें र्सेटामी सासामिलासानमायरानमें तासर्वेमा माशुअ'माट'अट'रुट'यदे'केट'रु'अटेंब'शुर'ग्री'यदमा'र्ये'र्केमाश' ॻॖऀॱॸ्रेंद्रॱॸ्रःर्धायक्षेश्ययाषरॱकेत्रपञ्चारायायाकेरः वैक'या (८८'वें गवि'भेर') सूर परे यश ग्रें 'क्ष्मा भ'वे। ५मो' र्श्वेद मीर्याक्ष प्राप्त पर्युग्य धीत त्र प्रक्षेत्र हेग्य गुणे र्श्वेस प्राप्त र्थे र्टायम्बर्दिन्द्रस्यायम् स्याम्बर्स्यम्यस्यास्या में रापायायराया १ सरापत्त र में रासें रापायया पेरापसा यश्रभूरायायह्यायायार्रेयार्येशार्देवार्योग्या (५८१ । । यगा र्द्या) ग्रैषा सुराया परेयया परि स्वापाया दे। द्वी र्सेट मीया में टा पर्ते'ख्यांयानु'नेर्'या श्वरापर स्राप्तिक सुरापापह्याया यर्स्यार्सेशर्नेन में ना (नमेप्त्न'न होन') शुःश्रमा असी नमे र्श्वेद मीश दमो पद्न केंश प्रश्नेश केंश अप्येन प्राप्त में माश प्राप्त में द यर चुरियायाय वस्याय र्से रिटा गर्सेयाय विदेश्यया गुर्या नर्ज्जेमाण्य हो मोर्ने द्वा (५८ दे)दे (हेश) शु (र्स्टिमाशा) सदे क्षमाभाक्षा नमोप्यत्वानचेवाचेनायानेयाम्याचेनाययानमा र्श्वेदायार्मेदायिक्यायर्भेयाय्यायर्भायर्भेयार्भेदाया (ष्टिमा खुक'वर्चुक')यवे 'क्षमा'ख'के। नमे 'क्षेंट'मे थ' खिख'य' खुक'वर्चुक' यर चेर यर मे १०५ वर्षे अपम्री र या वर्षे १०५ वर्षे १०५ वर्षे परेनर्भायारे भारत्र्वेगाया स्थान र्वेगा णूटा से मिर्गेटा ना (५८) नगाय र्ह्या भी निर्मेश के निर्मेश नमें श्लीट मालक मुर्था यनमा हैन गुं यश्लीय स्वीत स्वात स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स नन्ग'य'स्रोट'न'दर्गेग'स'ने'य'नर्ज्जेग'स'स्थ'नर्ज्जेग'णुट'शे' गार्नेट (यर्दे॥)

माशुभाया हुट ग्रेट शे थे।

माशुक्षायाञ्चराचीराची श्रेषा श्रदाञ्चरारदा भ्रदाचीरायनया विमायामारेशणी'न्दार्भात्रुद्धात्याम् सुरायाम् नरुः र्वत 'न्द्र' दे। नर्भे अ'यथा में अ'लग'नरु' (एकट')नदे' नर्मन्यास्त्रास्त्राक्षेत्रयायम। निर्केत्रयाण्यावात्राप्त्रा यमप्रकर (या) केंबा मेंबा निया (यन्या) यदे श्वर क्षर की निया र्श्वेद मीश्य र द मी पर्के प्रिये पे पुर दु चुन मुन्न प्रमान स्वर्थ र केश में या गुरुष भें माद दुद दूद अळ अया घ दूद दु प्रच्या द्या सु रेटशःवरः(या)त्रः(यहेंगा)गे। श्रूटाक्ष्टाकी दगे श्रूटामेशाया क्रिट प्रति में राया में पार्ट प्रति राया मही मारा की मारा में राया मारा में राया मारा मारा मारा मारा मारा मारा क्रायमिरमाशुभामेनशायदे क्रिन्द्रभार्केमायदे नरानुका गुरा भावत्वययायरावरदयायारदार्भेवयायम। वदार्भेवयाणेया लगासुसारु पद्या (याद्या प्रायुर पह्या)मी सुर सुर ही केंग्यन्त्र'न्द्रस्यये'न्गे'र्ह्स्य याप्त मो'र्ह्स्य याप्त मो'र्ह्स्य

नदे'र्ले'नुन'नु'नुक'ग्रीब'नक्ष्मब'मदे'र्केब'र्मेब'इसब'न्टा मिर्दर्यायङ्गायाम् एषदादुर्यायाषु यार्शेम् शाचेदादु न दुग ' भ्रे ' नु ' न ' हें ग श (य ' न ८ ।) न गे ' श्रें ६ ' श ' य ' में श ' (येव')यदे'श्चर'श्वर'वी नगे'र्श्वर'मीय'नगे'र्श्वर'यमुन' व्यवायान्द्राचार्ळन्व्यक्षाम् विषात्वात्राचे विषा यायामीया (र्सूटा)नदेश्वटाक्षटाकी नमेर्सूटामीयामटाक्षेत्राया र्केशमेंशर्कर प्रविदर्श हिंधाया केंश हुमा ५८ १ व्हारा प्राकेश में या नश्चान्या (८८१ क्षेत्रमार्थमा क्षेत्रमार्थमा क्षेत्रमार्थमा क्षेत्रमार्थमा क्षेत्रमार्थमा क्षेत्रमार्थमा नरुया। वेयार्सेटानारमायायदेशस्टास्टासे नगेर्सेटारटा हैन्यार्केशमेंशमशुभाभार्यदानशाष्ट्रीयापर्केशदुमाञ्चनया वियानु से अगायार्रे दायदे सदासदामार्यस द्वा स्मायार्थे चुन्यित स्टिप्सिट मार्रेश हे स्टिप्सिट्। (मेन घट) नेश स्मारा प र्श्वेट नित्र स्टा सेट हो। केंग नमुन स्र मु मिरा मिरा प्राप्त में र्श्वेट या में बार्चित यर प्रवास्था समाबायायाया नगे क्षेट मोबारे प्रवा क्षमायानर्यस्थाने वियाया (श्रीशी) तथा समायायार्शेटा नदी सूटा में राष्ट्रीत प्रमायया समाया या प्रमाया प्रमाया हो । यो राष्ट्री प्रमाया प्रमाया प्रमाया प्रमाया यो राष्ट्री य अगायमान्त्राद्याने विचाया (नक्षुमाना) श्रे श्वराष्ट्रिता श्वेता या विकायमाने श्वेता या विकायमाने श्वेता या विकायमाने श्वेता या विकायमाने श्वेता या (विष्ठा)

पदुःर्वद्यमान्नेषायादी परार्थेषायषा (श्रेदायया)श्चीस्रदानेदा यदे स्टा स्टा देवी देवी र्शेट मीय रट है दाय द्वार यदे श्रेव नयामी मेन्यायया मेरारान स्वायाया मेरान्यायया मेरान्याया नवानमा (वनवानमा)मी स्रम हो नयो स्रम स्रम स्रम स्रम से मीयाययाययाययायीयो स्वाध्यायाया चेराद्वासे नग्रभाया क्षिया (क्षा विषय) नश्रेषा भरी सुराक्षराकी नगे र्श्वेद मीश्रायया द्यार क्या यशेश गुट क्या से द्यार से यश से द ॻॖऀॺॱख़ॖॻॱय़ढ़ॱख़ॖढ़ॱॻॖॺॱॺॴॱॻॖ॓ॸॱॸॖॱॻड़ॖॻॱॿॆॖॱॸॻॴॴॱॾॕॱॻॺॱ या (८८१) लें (५१) इत मुं श्रद है। देने श्रें द में अ'नुश'क्श'र्थे' हुम्'अ'र्थेक्'विट'म्वट'य्दट'अ'र्शेन'य्र मीट्र यदे भूत रूट रहा वर्भेष यथ पुष हे वण्य य हैं ग्राया (८८ अर्घेमाट)मीयायाम् नामानायाः स्टास्टासा दमोर्सेटा मैशमिट्ट न केट पायश निर्मिशमित्र मित्र मित्र

अम्मुक् यदे मदिट च मश्रम्य या प्रेट्य हुँ द या वया र्वमश यदे सिट हिट है। दमे र्शेट मैश (यस) र प्रेंड प्रस्था हैंग्या वन्यास्य नवार्श्ववयाची स्य विस्वादिता स्य में वाया स्थित नवित्र'र्'न्गे'र्श्वेट'र्र्ट'मेश'स्र्र'ळें'कुट'ग्गागश'यर्श'यर' पष्टिमाना (न्याना) श्रेम्या सेया पह्नामी श्रम् सिया है। नमें श्लेट मीयानमें श्लेट या के दाया येवा या या सेया दायहमा यार्श्रमश्चिश्या (८८.ध. मार्श्वर.५८७.जुरा) यदास्रटास्तर वै। नगे र्शेट मैश्रास्ट निया परि सेव र्ये के सुट पा अ गुरा पर र्टाट्यानर्भेयाययारेगासेप्तर्गामीरानुयाया (सर्देरासर्दरा ठम्)ग्रेश्चित्रपतिःश्चर्लिरान्त्री नगेर्सेरामेश्चर्रान्यरायिः नक्षेत्रणुमिल्मिशेर्द्रप्रश्रीमश्चणुद्रिश्चर्याष्ट्रिश्यप्रायात्रक्षेत्र 5'निर्मेशमेर्चेन'उट'र्चेन'र्से'म्या(५८') नमेर्सेट'मैशर्र् मैं। ५६ ४। इस । हिस या ५८ १ हैं। केंदि । नुस है। में वित्र हैट । वेदा हैं। भ्रेयायादी (भ्रेक्ट्रा) ग्रेनायदे स्टाहिटा(ट्रा)

पञ्क्तमाशुभायान्त्री प्रमार्थभायमा नगेर्भेटायाणीयान्त्री पनेन्द्रीत्रणीयायान्त्रप्रमायस्य प्रमायस्य नगेर्भेप्रायणीयान्य

नदुःवन्यायान्दा नगेःर्सेदायदाम्यायाः विदायनेनार्थेना निवर्द्वा विभागार्केषा दुगा दिए स्वरामा या सुदान वेदान सुद्धा है। र्वेन'य'ग्रेश'रे'रेस'य'न्वेन'र्। (सूट'न्वेन')एकट'न'न्टा ने'वर्क्रियानवे'सूटासूटा। (माहेसान्टा यामा)भाषामीसावयमा नु'यह्मा'य'द्रा व्यमा'य'त्रश्चेद'यदे'श्चर'स्ट्रामाध्रेशके 'देश' यायविता नगे र्ह्सेट मीयायाया भे नुया धेतायाया स्टाट्या नर्भेश'स्यात्रा'स्य'भेर'सर'में याद्यमा'तृ'नद्या'से'सु'मार' यदानम्बारा नेदालेटा सुरस्या से से से से से सामा प्रवासिक प्राप्त हो। नगे श्वीट मीय रूट या नर्सेय राये मीय हित नन्म मीय प्रमा रू पह्मायादेग्रदाद्यायर्भेयाययावेदादण्याकेरायश्चेदाया वयमानवटार् नक्षेत्र प्रमाक्षेत्र विनासे विनामा (महिसा)से । (चिन वर्सिम्बर)णुः स्ट सिट दी रट मी में बर्द सुट व ने दर्शम्बर नमो र्सेट मालक या दीक या ने किन धीन मारुमाय निरम्म सेसया भेर्'यर'रूट'टभ'यर्भेश'यश'वर्सेग्रार्भे प्रत्ते भेरापा (र्हेन' त्रायाक्रा) भेषानहरा चुरामी भ्रा भ्राया न्युरा केरानन्या मीरा गु'ग'स्य'प'र्टा नर्गे'स्या नेलग'वर्ध्य'नर्याणे'स्ट'ह्रट' मासुस्रार्धेन पार्रेस प्रिन्निन निमेश्चें ए मीस न्युर मी मुप्सा सुए न'वर्ष'प्रश्नावन'रादे'ह्रेन'रा'न्चुर'ग्चे'न्न'र्'ह्येन'नन्ग'प्रश

येव विट नगे पर्व श्री केंब्र वा श्रामन मामी र मुवाया दि । पर्वे केरायारे र्युरावरार्थे र्थेरायमें यापा रमे र्थेरायोया न्युराग्री मु प्यया चुटा निते हे नाया राज्या ने मिया हो नाया र्थे'अ'नर्भेश'यर'में श'त्में ५'पदे'त्रासु'अ'नर्मेश'यर'न्वम् क्षेत्रम्बर्धियात्तर्यायाम्बर्धा (८८१ दर्गेव्ययाय)देत्रव्या श्रू हो। नगे श्रू र नगे त्या प्राया प्रदेश प्राया प्राय प्राया प् में रामसुरार्धे माट रुट में ट रुपवमा से केरा स्वर में केर रु न्मीन'य'न्द्रा र्वेशमींश'नेवे'मान्श'हे'वर्षिम'न्द्रा'यठश'य' यशसुरियापुरम्बर्धाने प्रमास्कर गुरिया का मार्नेम्बर्धा स्वार नर्वापते सुर्भेरेट्याम्य (८८१) र्नुरा श्री (र्या केवर) शेर्धर सिटाया पर्यास्याद्या पलगायस्या मुस्य मिरासिटायाध्या स्था यार्रेमानविना नगेर्सेटामीमानगुराममानुद्यायदे तुर्ग गठिगामी स्टार्रेया दुरस्था केवा पर्यया है। विचाया द्या द्यारा व्यवस्था मारुअ'यदे'न्ममा'न्चेदे'नुब'यबा'त्तु'सेन्'वन्ब'यम'न्चुम'सी' रशकेत प्रकट प्रामा है शरी भारतिता (प्रा पर्सेश) पश्चर छै। में रायमाञ्चर प्रवेद प्रमे र्सेट स्ट हिन्य पश्चर हे चिता (या रटा दे गर्भगाय में गा) मी सटा सटा दे ने से दिया स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्

क्षर चेर प्रयय विमाधा

मार्रेश्वास्ट्रिट में द्रायय विमायायाय सुर्वे द्राप्यायशा

नदुःर्वतं नदः में दी नदः र्हेमायमा (हुनः) श्चानदे सिटः ने नि नमो र्श्वेट मीया घर कुन स्था स्व रची से माह्य पवि त्ययां मावया पवि नेशम्बेन'ग्रे'ह्नाश्चरायायायानेशमेना (र्भेन')श्चरे'सूर चेरकी दमे श्रेंटमी शरमो श्रेंटमालक या खुया दुश रे का श्रेंक र र्श्वेट्)या(स्राम) च्रिट्येट्स्ट्रिट्चेट्से दमे र्श्वेट्यो स्मार्शेट्येट्स माल्क'माहेब'प्यक'कर'रचेु'यदे'यबस'यब'स्'सदे'हेंमा'झूब'य' र्नेनमिना (८८१ क्वेंस्मियाचे८) भरी सुटाचे ८ की नमे क्वेंटा मीर्यादमी र्रोट मार्रेश प्यतः मीर्येद्र संग्री प्यत्ता मीर्याद्र संग्री प्यत्ता मीर्याद्र संग्री प्यत्ता मीर्याद्र संग्री प्राथित संग्री संग्र ``ले' नर' नुष' चेत' प'प' प्या' मीष' र्सें ' र्से माष' नुष' हे' रेत' में 'पा (८८) ष्टिमामार्मे यार्केमा (क्षेत्राम) दे सुटा चेटा की द्यो क्षेटा यो मा प्रियमार्ग्रेम्यार्भेयायाये न्यमाष्ट्रियायार्थे यार्क्याक्ष्यायाये इमायश्रभायायष्ट्रमार्यायष्ट्रमार्भेना हेर्नेनाम्या (८८१ वर्नेना)यदेर्भूटा

चेद्रती दगेर्शेट्योश्यान्श्रेत्यर्थार्स्याश्याप्याप्याप्या चैक्यान्दानुषामध्यानुष्यामह्यानुः क्षेत्रचेदानुः सुरायदेः क्रिमामिल्रासेट्यासद्याधीमोप्यर्देन्या (५८ मन्याप्त येत्र) नर्हेर् परि सुट ग्रेर की रगे र्रेट गैरा खुया न हेत्यर सा हेम्बर्यायाप्यादमे हेरियाल्य भी स्वराध्यायार द्रामी सुराया नर्हेर्यानेशर्नेमाना (५८)श्री(केंगा) त्यामनेमञ्चित्रिटा नेत्रकी नगेर्सेट्रिंट्र्यामेश्राभित्रेर्क्यान्याभार्येत्रायानेयाप्यानेसेका यम् अर्देग्रायायायने तायम् श्रुयायाने याने या (यनेया टॅरचेर्)र्शेषेशक्षरम्यपरेनयस्यिः सुटचेरकी नगेर्सेट मैश्रादमो पद्तु सुंग के दाया बर्श प्राया मालक या मादा बमा प्रार्थिमा यर पर्धेश शें लेश सूर पाप प्राप्त से दें त में पा (प्रा ख्राप्तु मार्शेर्) मदे सिट चेर ही रमे र्शेट मीश दिया मदे के मा एर र मार्शेर् प्रापे प्रमा दमो र्शेष्ट माल्क या श्रुश्य प्राप्य प्रापे र र र र में नर्गा

नरुः क्रवः मारुश्यः भावति । नरः र्स्थियः यथा (यः र्नेवः) श्चे प्रदेशायाः । (यः र्नेवः) श्चे प्रदेशायाः । श्वे प्रदेशः विष्यः यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः विषय

यान्स्रम् प्रते मान्स्र सु नमान्स परि नमे ह्ये ति मीस र्वेस पर तस्यानवसम्मर्वम्यातस्यानुसाने में (नानर्से ना) इत्या मार्चेन'यदे'सुट'चेन'ने। नमे'र्सेट'मीय'रूट'यार्केय'न्ट'स्न' यर'नर्भे'न'य'यन'र्येग्'यर'र्भु'न्यस'र्नेश'य'य'यन'र्येग्'यर' श्रुरा है 'र्ने दर्गा ना (५८१ वि) वेरामवर्गमाय मानस्यापरा वर्गे नवे हिट मेर ही नगे हैं ट मोश दिन में वर्ष मान्य स्था भारम्भारारायम् युन्दु द्वायुरायदे हेन उन् मी र्युग्यास् चलगा है। सन सुन दुः शुरायतमा वर्देम ले दगुः वदमा प्रा मार्निटा)नासानस्यापरावर्गीनविष्ट्वान्त्री नमोर्सेटामीसा नमोप्ततुन्द्रन्द्रप्तये मान्यासु सुत्रार्थे सदी माद्दर्य र ८अ'नर्भेश'यश'निहट'न'अ'नर्श्य'यर'यत्र'युत्र'रु'त्युर'नते' हेन'डन'ग्री'र्सेग्रासु'यलग'हे'यन'सुन'र्नुग्युर'यत्या वर्रेय' निर्मापन्या (न्यक्ति) भवे सुट चेन की र्मे क्लेंट मीया नगे'यर्नुन'न्नर'नये'गान्य'न्यां सन्यन्ये'मेन'न्र'न्ये'स्न' यर'नगे'र्सेट'म्बर'रट'टस'नर्सेस'यस'नस्न्'रे'रे'रे'पेर्यर परमा (यर्ट्यभ्यम्बर्भ) ग्रेर्यप्रेष्ट्रिंट ग्रेर्का नगे र्से ट मोश्रानमो प्रतुत्र न्या प्रति मात्रश्रास्य प्रति समे।

(पद्यूटाया)यापर्मायपिः सुटाचेरासी रमोः र्सेटामीयारमो।पर्मा न्नरान्ते मान्यास्य स्वरं हेन न्या स्वरं से रामी र्से मा साम पद्यूट परि मान्य भ्रम्य य ५८ प्य ठया य र अनुन पर रेवा परि रायास्यान्यविष्ट्रेटान्यन्यायवसान्यान्य नुनावर्षा (यरेमश्य)ये सुट मेर्ने नमे र्सेट मोश्यमालक मिक्ये र्नेक क्या रूटामालक युक् र्येटामी र्देक दुः कु दूटा या भीटा र्येमाया र्येमा कग्राप्टापठ्यापायार्श्रेगायासार्ह्यापदीप्रश्रापर्याप्याप्टा दश'नर्भेश'यश'र्येदश' शुन'ने 'तुन'वर्गे' भे ना (न्दा मेश'या' मार्रेशसु'म्रेमश')यालेशयमगु'रेशयमगुर्भायशक्ष्माया न सेमार्य परि सिट में देन देने से हिंद मीरा महिंग यमा पट न सेमायायाय स्टार्स्य नर्भेयायया हेता लगामा सेमा ""पायामा" रेभायाम्बुभायशास्त्रमायाय सेमाशा(यर्गा) पदुः क्रमाशुभायान्। परार्ह्भभायमा (भापर्क्रभा)यरार्क्रभा र्बेन यदे सिट ग्रेन की नमे श्रेंट मट नमे श्रेंट अदे सेन यर द्यापित्रद्भापक्षियापरादमी क्षित्याय देवापक्ष प्रमुद्दा है 'देवा मींना (भ्रेंभानुना)ण्यिमार्केशार्भेनायदे सुटानेनानी नमें र्भेटा मैशक्षेत्रमनुन्य गुप्तम् दुर्गि र्सूर्य अव्यक्ति सम्बन्धे ने देन में न

(पर्दा वर्ष)दुदावदार्द्याण्ची सुरार्केषायसूत्र में लेषासूराप

यनेमश्यये सुट ग्रेन की नगे र्सेट मीश नगे र्सेट मालक नगे ब्रेंद्रायायात्रयायार्थम्यायायाये केदादुः केंया ब्रेंद्रायायायाया वर्षायार्थेग्रायपिकेरातुर्देशायस्त्रार्ने लेशसूरायाया र्नेन'र्मो'न'(८८'र्केश'र्मेश') ग्रेट्र'यदे'क्ष्ट ग्रेट्र'र्ट्रा केंश'र्मेश' चैन'यदे'हुट'चेर'महैब'की दमे'र्सेट'मीब'दमे'र्सेट'अ'हे'रु'अ' धित्र यदि में राज्ञें जुरा हे जित्र या द्या द्यो ह्यें द मीरा द्यो हों द **अॱ**हे'रु'अ'थेरु'य'य'रूट'र्न्नट'न्दे'र्गेश'ट्ग'में'र्रेग'ग्रेर'णेश' चुैन'न्य'पुय'नेय'र्वेन'र्त्ने'स्वेय'या (महैय'न्म'न्टा) में'र्रेय' निवन्त्री। (र्नेवासयुवा)विषान्मी र्सेटासान्दा क्षेत्र हिमायसा वर्गेवि सिट मेर ही नगे श्रीट मीय नगे श्रीट या नट से व हिमा हु য়देॱয়য়ॱ५<u>ॱ</u>क़ॗॖॖॖ⊏ॱॻ॒ॻॺॎॱज़ॸॺॱय़ॸॱऄॗक़ॱय़ऻॱॸ॔ॻ॓ॱऄॣ॒॔॔ॱॺॱॸ॒ॱ क्षत्र रेगा (गु) र पह्मा यदे क्षट ग्रेन की नमे क्षेट मोश नमें क्षेट *ॺॱॸॸॱॾॖॺॱॾऀॻॱॸॖॱढ़ॖढ़ऀॱॺॺॱॻॖॱॻॸॺॱॻॾऀॻॱय़ॱ*ॺढ़ॱ*ॼॸॱॸॖॱ* कुर र्सेग्रायया कुर प्रयान र्जेग र्सेग्य सुपर्गे विट कुट म्माम्यायन्याया (न्यान्येकाया) कायन्यायमे यामाया स्थापिता (मार्रेया) में में या प्रविमा निमार्से ए मीया मियया में माया सेना यर'तुर'भेर'र्द्रक्ष्मचेषा'र्वेक्'य'श्चित्रश'र्थेर्'याक्ष्म गायर्गायार्पा विस्रामीग्रासेर्प्यरार्गोर्स्रिएसार्पा हिस्साम् डेमार्नेत्रायाश्चित्रार्थित्यात्राम् मिश्यामायमेत्यात्यात्राम् श्वास्त्रीत्यात्राम् स्वास्त्राम् (द्रमे स्वास्त्रीत्या स्वास्त्राम् स्वास्त्रीत्या स्वास्त्

नरुः र्वत निवानी नरार्देशयमा (यटायटा) वानि द्वाटा चित्रकी तमोश्चित्रमीर्थाष्ठेक्रमार्डमात्याष्ट्रियायश्चर्माक्रत्रात्र्येयाय यम्बार्भश्यायम्बर् कर् चुराके। येु सायार्मेश्यसार्मेशा केराया भैक्रपदे व्यास्थे अर्वेषाया (८८.के. ५८मा मक्षा) शुवायदे सिट्यीट्रेन्सी निगर्सेट्रमीयास्य हेमाया उन्यी प्रमामनया हीना यदमा विभायमा युमा भेटा। मर्केर मान्या सु मेमाया र्थेर परि मान्यारेरालमा (मारुमा)मान्या हे । वया माहेया या वेया या (से) विश्वास्त्राप्त ने दर्भे मासुसायसास्त्रमा पाये स्वापित स्विष्ट हो द है। नगे श्लेट मैय ष्टिम प्रयापर्य पर्ये द क्षेत्रया प्रस्परा मेट रहे परे र भाव्यापराद्यदार्ष्यायायात्रायायात्रात्रायुर्द्रदावा ञ्चट प्रवेद दें मासुस प्रसा भ्रमा पा तुरस हे मानस मानन द् पष्टिम् न्या वेंयापा (न्या नरुपा) नेया सुर्यापा वापरी सुरा चेना वै। नगे श्लेट मेश अश्वरास्ट्रियाय स्वारास्य द्या सु दूट पदि

पवदायद्यापठदायाञ्चमार्थेरायात्रुयायरार्वेयाया(८८) श्रम्य (भ्रम्य प) ते भ्रम्य चे पत्री प्रमे र्श्वेर मीय वया श्रम्य पते नमें र्श्वेट मालक या रुषा रुट मी मनद मर मरद प्रमा मी रिमा हो र ग्रैशमध्रमशरे में मां प्राप्त पर्श भिरा वा विष्ट्र विष्ट है। नमें ह्यें दामेश रदा प्रविद अर्द्ध अराम हिमामी दर दु दमी पर्तु स्वया वया वापि मान्या क्राया साम्या प्राया विषया मार्चमार्वानार्थमार्था मुनियमेरायमार्मो क्रियान्य वर्षानिट वेंबाया(दट र्बाबेंबा)यर वायवे सुट रोदि । नमो र्सेट मीय रूट मानया यदे मीट मी हैन सेट प्रियानया सु रेटशासाम्नरानरानेरातुषास्टामी वशार्वेषाया (मर्शिमा वर्हेगा) मुप्तलगाया अपविष्ट्वा चुराकी प्रमार्श्वेदायीया भ्रमापति र्धे'माट'रुट'रूट'ट्रअ'रूट'र्न्ट'र्के'म्'म्डेम्'य्र्याम्बेम्'व्हेम्'रु' चलगायामभागठिगाप्यमुर्चेश्या(८८१) श्रम्यश्यदेराकाया यहेर्यये हेरायुरा लेशा यमा हातू द्यापा प्राच्या नर्रेषा लगार्येना हेन नर्रेषानरुषाणी हेषानुषानले निपा नशरे प्रविश्वेंशपिर हैश गुरापविष्ट्रे प्रमुद र्थेता गुरायेत स गुर्यास्य वार्यिः सुराग्रेत् की निमेश्चेरियो वार्या विवासिया विवासिय यदे वर्षाया महाहमा महाहिषा यह के के स्वा चुर्यास्य मार्चिष्ण व्यव (या क्या क्षेत्रा स्वर्या क्षित्रा स्वर्या क्षेत्रा स्वर्या स

पदुः कॅन्याया है। परार्थे भाषा (र्थे गा कमार्था) ५८ (यठशा) यदे 'कु' या र्श्वेन 'यदे 'क्षुट 'ये दे दे ने दे में र्श्वेट ' मैश्रास्टार्मिनदे देन दुः कु द्राया श्रीम्याया श्रीमा कम्या બેંદ્રાએદ્રાયાનુમાં પારાર્ફેયાએદ્રાની પ્રાથમાં પ્રાથમાં મારાયાના છેદ્રાયાના છે बरप्यार्श्चेमाकम्बार्यान्य (८८८ १वा) ये ग्रीट्या प्रमान्ये स्वरायिः (बरप्र्मा)यदे सिट्टीर ही रमे श्रीट मीय बियाय से से श्री र्भे ग्रेन प्रमुम्बाय प्रमा नेते सुर्मे काया मुक्या प्रमाने प्रमा श्चित्रया केराया का कर्ति शुक्षा पर्देका मादा मी क्रा पुरा पुना या हेमश्यत्यार्थ्येश्वामीया हिस्यार्थ्येश्वार्याने<u>द</u>्यरा नर्नेअश्यदेश्यर (तम्दि) नदे सिट ने दे रमे सिट मीश हिंस यार्थे भें भ्रमार्थे होता यम लुमाया यय । देवा सुमी दाया मादया यर'रे'र्ट् श्चित्रशर्थेर्'य'द्र'यर्रेश'ग्ट'मी'द्र्ट'र्योट'य' (८८ मडेरमु) यथा बर्षा चुन यदे हिट चुन की नमें र्सेट मेरा

सुॱब्रेमबा'णु'रयाचुट'या'दर्मबायाखदारुदासेदायराटमा'मी' रेगानुराणुषावषानुष्रायारेषार्वेयाया (५४गा)यायक्षायदे सिट्येर्ये रमें श्रिट्मेश्रर्ये म्यार्ये त्रायार्थे म्यार्येश्या बेद'यर'द्रसम्'सर्वदरहेद'द्रद्र'ध्रद'य'द्र्रिस्सु'य्वच'य्यस् वयन्यवे सुर्मेत्र दुर्गात्र स्याय स्टर्गाट त्र वर्गायवे हे पर्विम्प्रप्रभाने प्रमुश्या (प्रमुश्री विषामाहिशा) वेशाप्रमामी वटावामवर्षायदेव्हिटाचेरावी नमेर्ह्सेटामेर्यान्समासळवाहेरा <u> ५८ इस यदे नद्रे मन्य के ने प्रमाय के न यम के न</u> मार्रेशप्यम् कर्त्रद्याया (यम्अश्रान्यमायमी या) वेशन्युरा मी'यम'यमा'भ्रमम्'सुंर्सेट'निद्द्या न्समायारेमा'या त्रा नम्बर्धासान्यामासान्या न्यमायानसानविष्ट्राचेना (८८१)मासुसर्पेर्यस्याम्बिन्। मुयार्यस्यम्बर्णेसर्मेस णुट'रुट'स'र्नेस'णुट'रुट'रमे'र्सेट'मीस'रसमा'य'रेमा'य'र्रटा माध्याप्तम्बर्धायाप्तम्बर्धाया मुवार्यार्स्मावाणुवार्यवायापेरळे म्यस्याराभिता है'योर्यराष्ट्री'स्यययास्य प्रमाने'न्स्यायाः भ्र नर्ते। (नरेगा)भरे सिट ग्रेन हो नगे र्सेट मैश र्हेगा शेशश ग्रैश्यमेमायम्पर्दिन्यश्रम्भेर्द्वाया (८८) यहेगायर (ग्राज्ञा) भरी भूट ग्री देश देश हो देश हो । क्रेंग'रोधय'ण्यादमो'र्सेट'म्बित'याचरेमा'यर'म्बियाप्राद् मान्याद्यायेन।)वक्यायविष्ट्रदाचेदानी दमोर्सेदामीयायर्थिया युवासळ्न हिन्दा स्वापार्ये प्रायोगान्या सुर्वे मे हिन्दा मान्या ॻॖऀॱय़ॺॱख़ॖॻॱॻ८ॱॸॖढ़ॱॻढ़ॻॺॱॸॖ॓ॱॺढ़ढ़ॱऄ॔ॱढ़ड़ॺॱय़॔ॗ॔ॗऻ नदुःर्वतः दुगाः यादी नरः र्हेग्यायमा (नरे दरः) वेगः नगः गर्देरः रुपह्मायिः सुटा चेरा दे नो र्सेटा मैशारमो र्सेटा मालकाया ₿ॴय़ॺॱॿॺॱढ़ॸॖॆक़ॱय़ॱॴॺक़ॱॺ॓ॺॺॱऄॸॱय़ॸॱॸॺॱॺॏॱॸऀॺॱॸॖॆॸॱ ग्रैश नशमिर्दे ५ 'र् 'पर्मा पाष्ट्रिश पशमि पार्पा (शे') या रेमा यदे सिट ग्रेट हो। दमे र्सेट मीय दुय दुय या ग्रुय पर से सर्व हैर्यायारेमाम्बर्रेमानुपरुमाया(र्टा पर्वाया)ध्रैरा म्बूर्यिः सुराग्रेत्की नगे श्रिरागीयानगे पत्तास्त्र हिता रट्रस्त्रयदेर्यस्य मञ्जून गुर्नो र्श्वेट श्च्यायाय स्टामीसाय हता यासुवान्या वयाने गुयानेन प्रते पुयान स्टामीयासुवा परी वर्त्रयास्रीयास्रुयापरिकेषाः स्रुयायार्देत्रामीयाः (प्रा पहेन यम्यार्हेग्या)यान्दाङ्गत्रिमान्नयान्तिः सुदानुदानी द्यो र्यो र्यो मैश्यक्रेत्यर्थार्स्याश्चाराप्ट्यात्र्यम् स्वार्धिनाप्त्रम् महिषाना ह्रा ने'सर्जन'र्से'मासुस'पन्स'या (केंस')लेस'स्मा'सु'से'मार्नेट'पदे' सिट्र ग्रेट्र में रमें श्रेट्र मोश से मायायमाय या है मा सि ही साया है।

नव्ययान्स्रीन्दा गर्रायान्तिताय्याने नहीं गा णटारीमिर्दार्प (८८ श्रा)विषास्ट्रियाया हेषार्स्य स्थानिषा भी चेदानी दमो र्सेटामीयादमो पद्रवाधियामवयावयाद्यादिरा नगे'र्सेट'नट'क्ष्रन'ठेग'नु'र्केश'नट'बट'बेट'गे'र्सेटश'र्सेन'नुश' या (नगेर्द्ध्या) नश्चेताना सूनायदे सुटा चेना दे हो नगे र्सेटा मैश नमो'यनुम'ग्रीयानक्षेयानये'नमो'र्ख्यान्दाक्षम'र्छमा'रु'र्केयान्दा बट बेट में लेटश हुँ द चुराया (म देंग) अ (पहुँ र पा) रश मेंशर्में क्रम्ये सिट्में ने के सिट्में श्रीट में श्रीट न्गर में र्श्वेम्बरम्अ निश्चर न्य था वें द्या श्चें न नुबर मा (न्दा रैक् र्ये के) लेख र्ये प्याप्त लेख मार्ने माया ग्री सुद ग्री दिनो र्श्वेट मीश्रास्ट मी श्राधेन यदे सेन र्यो केदशा सेन र्यो केस र्श्वेशया वार्याम्यार्यवया मलक्रेमानुमञ्जापा(५८) पुरा चेद्रायदे सुट चेद्राची दमे र्सेट मीय स्ट्रायुय चुय दय तुरा मेर्देर पर्यापार्टा (क्र. यदी रुषा) यट उटा या धेरा पर पहेगा हेन न मानायाय दे क्या मुया गुया हे ' शुया थेन ' ख्या पर्दे । पदुः र्वतः पतुन्याने। परः र्रेशायमा (तुनः पर्योः) मार्शेनः पदेः सिट्येरकी नगेर्सेटमीशमानिययेर्निययाधेनयम्मार्सर शेशशाणुशादुनावर्गे। स्टाट्या नर्भेशायशानशनाने दुनावर्गे भे

ना (वर्गेन'म)नश्चेन'मवे'श्वट'ग्रेन'की नमे'र्शेट'मीब'नमे'र्शेट' मालक'या इसा नमा मी 'नमी 'र्सेट' सा धीक' यदी 'र्नेक' मीसा दर्में ना या नक्केन'र्'नड्मा'क्के'र्नेन'र्मो'ना मामाळेंथाचेन'यदे'क्लेट'चेन'नी नमें ह्यें द में या रूट मी युया न देया या १ अया था (र्ये र र्थे) या र्शेमार्याप्याप्याप्ते द्रामाल्यामी त्राचार्या स्थाप्ता स्थापता स्थाप ग्ययः प्रम्युः पर्दे सेससः ग्रैसः नेगायः (८८४) कुः यः (३४) पर्दे सिट्यीट्रिं रमें श्रिट्मीश्रिट्मीश्रिक्षा हेन न मामाश्रायदे सुधे पा व्यायदे र्वत् दुं केषायाया के यवमा के रावह्याया (८८) नुन्भेन्न्द्रा (भ्रुव्रान्धेमा) १० या निष्ट्रा नुन्भे निष्ट्रा निष नुन्भेन्द्रम्मद्रम्म हिमा नुमा हिमा गा हिमा मिया मिया मिया मानेन प्रमा कित्र माने स्थान (प्रमाय (प्रमाय (प्रमाय) स्था (प्रमाय) स्था (प्रमाय (प्रमाय) स्था (प् सुट चेर दी दमे र्सेट मैश दमे र्सेट मालक या प्रदेश साम् रुक्षेर्वेट्याकेय्य स्वाप्य स्टाट्य म्र्रीय परिष्य मी स्वा वेद'ण्रैस'द्रद्रस्य प्रम्येद्र'वेद्रमा श्रूस'य'देस'र्देद'र्मे पा (८८। म्रेट्) मद्रित्ये द्वीर दे द्वीर स्वीर्थ के अपदे मद्री स्वा इट मी पर्के नदे जें पुर केंश में श्वा श्वी श्वा श्वी र द्वा से र द्वा चरुमाया(८८ गरेटा अरा) यम हैं रायदे सुटा चेरा दी। दमो र्श्वेट मीय रूट मी द्रमे र्श्वेट मालक या चुक राय दे मीय या अस्टूट

चर्चन्यायमु सेसस्यस्य धिन्या हुन्सा हुन्सा हुन्या स्वा वित्या वित्या हुन्या ह

নত্ত'র্কর'নন্ত্র-'ম'রী নম'র্ছ্রম'মেমা (ন্)র'ম'(১৫')প্লর'উদা' यसर्उत्में निर्देशित्वी निर्मेश्चित्मीय केंग्रामुक्य प्रया वन्यायम् भ्रेत्यान्ता (हे.नुःयार्येत्)यम् पहेत् हेर्गया ग्रेत् यते सिट ग्रेन की नमें र्सेट आयम में याट लिया में या मुना गुर्थे है'म्'स'र्येन'पर'मेश'चलेन'र्'मर्सेप'चलेदे'पश'ग्रैश'चह्नेन' हेमशनुश्या(५८१) शा(में)यदे भूट ने दे दमे र्सेट मेश पहिमा हेत्रत्ममार्था परिष्यश्य प्रमान्य परिषा श्रीमापि यम्बर्कर्रस्टर्स्यानर्भेयाययान्त्रीयाया(द्रा सर्गेम्)गहेरा रैट पर्मामी सिट रोट हो। नमे र्सेट मीश रूट अर्मेन र पर्नेट य'र्ये'ष्ठिम्यम्'रुम्'र्वेगम् इस'यम्'यलग्'य'र्थेर्'क्'रे'यम्

क्ष्मायत्मा मेर्न्सु नामिले यम् क्ष्मायमः वर्षा वेषायः (८८) नश्चन्या) है नम पर्हेमाया र्सेटा निर्देश हो नमें र्सेटा मैश र्टायानमे र्सेट्यावर मेश्रीयायस्य परिसे रस्य पर्से प्रायाटमा मी'रेमा'तेर'णेश'स्ट्रा हे'र्रेक'र्मे'या(८८। प्रया) ठेश'३क'र् ग्रेन'यदे'स्टाग्रेन'की नमे'र्सेन'मीय'रून'यया र्सेन'यावन' र्धेमार्थासु सुरायदे प्रमे ह्वेंदामा हैर्या अव कर में या चेदाया भेया निवर्द्धर्याश्चेयानियेकेराद्वात्रवायायान्यानियार्वेदार्यो न।(८८) यश्राणुमानशन्या(श्रीश्चानर)पर्मोपिये सुटाचेराही। नमो र्सूट मीयानमो पत्त में क्रिया स्वास्त्र में प्रयापाय त्या पत्या पत्र या प्रयापाय है या प्रया श्चिंदायामाञ्चरायमार्चेयायदे हे पर्विमाययाप्त्रायमार्चेताया (८८ अम्मुअ) भरि सिट ग्रेट ही ट्यो ही ट्यो ही ट्यो श्रिट यो श्रास्य मुरा ८८ नगे'यन्त्र'ना नगे'यन्त्र'ग्रे'याश्रुभ'र्यो'यार्'नार'रूर' मैशर्मा हैन या केंबा स्वाधित ही प्राधित या प्राधित है। या स्वाधित स्वा रे'पश्रेंग्'हे'पगपा'नर'चुश'मा (कट'पश्रूट')नदे'हुट'चेर' वै। नमें श्रें ट मोश्रास्त्र कर है न न ट स्व प्यये कर समुयं न से न यान्या (नुषाक्षेत्र)यमम्प्रियाय्येतिः स्ट्रियाचीन् त्री नगेः र्सेयायेषा र्ट हिर्मन्य राये में ट्रिंग हैन सेर खेंच का सुरेट्य स

नदुःर्वत्रन्गुःभःहै। नरःर्देशःभग (त्रशःनरुशः) वेशःभवः भ्रम्यशर्मेट कुरे सिट मेर्ट या मार्श्यायय प्रदार्ग हर्ने मेर्ट मेरि कुरे सिट्यीट्रेन्सी निमेर्सेट्यीयर्ट्यानयाय्येयीट्रियं मेर्ट्येर्य *য়ৢॱ*ॸढ़ॱमीॱक़ॕॴॱमीॺॱढ़मोॱढ़ढ़ॖक़ॱॿॺॱय़ॱॾॗक़ॱढ़ॸॖ॓क़ॱय़ढ़ऀॱक़ॕॱॿॺॱ चैभायार्भेयानमाभाग्वेदार्डमार्डेशाङ्घेदानदमायाभागर्भीनमा ष्टिमाम्बुमार्येटमायमासुग्वा सुर्ने मूर्वे सुद्रित् सुद्र सुद्र सु र्श्वेट मीर्यास्ट मान्या सदी मीट मी हैन सेट प्रेया नया सुरेट या या नरपररेराष्ट्रिभावनिष्यप्रा श्रामायार्श्रेम्बार्यराकुर्या मक्यम्भूतास्त्रास्त्रास्त्राचारात्रात्रां निष्ट्रात्री निष्ट्रात्री निष्ट्री मैश्रास्टाम्बर्यायदे मुटिमी कुर्या सुम्या गुर्वे द्वार्या स्था वया (शुःरेट्यः) श्रांभायरम्य प्रेरं पर्द्वः सेवि पर्वेरः सभा मुवार्येदेर्येन्द्रारमीमान्यासुर्धेन्या (५मार्देन्) डेया ए५५५ मार्शेर् परिष्ट्रिट चेर् हो रमो र्शेट मीश्राधेर सेंट्य पाया थेता यशमार्शि र्श्वेट मी के र्शेष्ट्र मी अर्दे पदें द्वा यदे द्वा स्वा मार्थे द्वारिसमाण्यानसूनायदेगाले प्यामी सेया चेत्रणेया एत्र नबर्दे संस्थार्थे अर्दे कर्षी न। (५८१ वन स्वा) वर्के अर्थे

सिट्रिट्रेट्रेट्रे रमें श्रॅट्रमीश्रम्ट्रिय्यय्येष्याम्याम् मक्रम हिन प्रतास्त्र प्राप्त प्रतास्त्र प्रतास्त प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्ति प्रतास्ति प्रतास्त प्रतास्ति प्रतास्ति प्रतास्त प्रतास्ति प्रतास्ति प्रतास्ति प्रतास्ति प्रतास् रयाची'नर्ने नुषाया(नटाने वि'मटा)पर्केषायवे सुटानेन ने नमो र्श्वेट मोश नमे प्रतुव श्री भीट मो सियमा सियम हिए मह स्था र् यश्वमायाम्पानम्बायक्षेत्रायकान्वे गुर्वा हे वेदाया(५८) नर्या)नासे। निरानवाधियामें यासरानुयासदीसुरानेनासी नगे र्शेट मीरा नगे पत्त मी मात्रा मात्रा सामा प्राप्त में राप्ता निट'नवा मुर्था में ब'सर नुब'स'(५८' मिर्टर)न'(५८'मायद' या)न्यानाया(न्या स्थाकेका)न्यश्चराव्याक्ष्यायानुना यदे सिट ग्रेन माशुश्रा दे मो र्श्वेट मीश दे माशुश्रा से स्ट स्ट मी मु अर्वत है ८ ५८ १ स्व याया स्ट र्ने व ५ र स्ट र स्य पर्से याया र्शेरायेदायमण्डीक्रायमण्डमायात्रुयाने जेत्रायामशुस्रायस्या निवन्त्री । निगे र्सेट रूट मी खुरा र्नेट रायट रासुरा सुरी रहित र्द्याभेर्'यर'यरे'यर'ग्नेग्याय'यरे'र्क्यार्ग्य'णे'र्दर'र्या रे' यश्चा प्रति केश में शमाशुभ पे माट सुट स्ट ट स्य प्रक्षेश प्रश नर्ने गुरु हे 'बेद' भंदी (नरे') नर (मनेगर्थ) भरे (केंश' मेंबा)णुर्ट्य प्रचेंचे प्रचेंच

यक्षेया र्शेर्यम्बार्याण्डे।

चलि'य'र्शेर'चनमाश'णु'र्शे'य'र्शेर'चनमाश'चलि'यशा ५८'र्ये' नमें र्सेट सायमा नमाये का प्रति स्थित स्थित स्था नमें र्सेट सा (मॅट्र) हमा में द्रियों हे द्रियं रूमा यस से के द्रियं द्रियं स्था र्ट्या रे मार्का माट रूट र्मान्य स्वास्य न्या निर्मेश मा (८८.ष्ट्रिश.चालय.) लेश.चाता. रूश. रू.श.स्रेचश.तर. पर्चेश.री. पह्मायासामर्ज्जायमानामाना प्रमास्त्री प्रमास्त्री मशुराधन कर ष्विराधना सम्बन्ध र प्रेराधन प्रमे हिंदा सरा म्याभ्रम्भातुः अष्येत्रयास्य त्रीकातुः तरुमा सामा तर्जीना स्याप्त वि र्श्वेद मीर्या वर्षा वेर्या पा (१८ ५८ दे। । प्रसुप पा) व्राया हे हिस दु वह्मा'यदे'र्सेर'यनम्बारादी दमो'र्सेट'मीर्याष्ट्रेस'ग्री'यस्पर्य र्हेर्याया चुरायदे खिर्याय द्वायाय राष्ट्रवा वी देवा चुरा खेरा बरा त्रू ८ थ 'हे 'र्जे थ 'या (इसय '८८') है '(८ में ह 'य') हे थ 'हमाया थ ' यम्मारायश्चुटायदेखेंरायम्मश्ची दमोर्श्वेटामीश्वरिमशः य'र्द'यङ्ग'यदे'द्रग्राभ'शुय'यर'श्चेद'यर्ग'ष्ठिभ'य'य' पहिमाबायाद्यापठवायदी र्सुमाबादेम बबात्वप्राहे 'र्बेबाया यनगर्भार्थः (यन्यः (यनः गर्याश्वरः यः) ने (धिया । श्रें श्वरः यनगर्भार्थः प्रमाश्वरः (यनः गर्याश्वरः यः) ने (धिया । श्रें श्वरः य

य्या हेराच्याची हो

ख्रपः १ेषा चुषा णेष्ट्रेषा नत्तुना चुते ११षा चुषा नत्तु । इ गिरेशर्थित्'स्रस्थरा हे र्वत त्गुर एतु प्रश्रे व्वत त्र र्यो में श वयरायादी) त्रुरायें रायायों रायाद्या सुरार्थी सामेयरायदी ५'उट'न केट्य'या वेट'नु'नगन'यदे'५'उट'दर्हेव'ना र्धेमशम्बरम्या द्वाप्तार द्वाप्तर द्वाप्ता द्वाप्ता हो मीट द्वाप्ता द्वापता द्वापता हो मीट द्वापता हो से मगमी नम नम नुष्तुते बुका सुः क्षम खुमा सम नर्गा ना के र्वेगा नुः ह्यूया अर्गे विरामित्या यर पर्ने प्रिया निर्वा के सामुका निर्वा (इसाया नर्ना) १८१ (क्रॅर्मॉर्भमायायर) त्रुकार्येराका नर्मेशया ५८। ५७८८ महेरमया ५७८८ पहेँवायर पर्वे प्रदेश चुर्था है'(इस्रा)या(मासुसार्टा।) पर्दुर्वे। मारेशपाष्ट्रिभार्पत्में प्रति हे क्वारे भूकी प्रमाहिभायमा (मैका हु'नष्ट्रस्यायार्थेग्यायायाया। दे द्वानेयासान्द्रेवायमाष्ट्रियादा वर्गेना क्रमम्बर्द्यानिवरमानम्बर्यस्वर्गेना ठाउँविः श्र अन्यश्चित्यायम् तर्गेता श्रेमाम्येत्यमानु नक्ष वित्रत्मे ना

मारुवःमिदामादायश्रमायम्यम् मार्वे प्वमिष्ये प्रेशः मुश्यः मे था (अर्मो मार्थेमार्था स्वाया स्वाया स्वाया भी मार्थेमार्था स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया ग्रैश्यमीम्पर्णम्यादेश्यम् वर्षाचा क्रियमीश्यमहेश्यमे पर्माचा क्रिया में शस्मायमा है शमारमा बर है 'दर्मी' या यमायमा है शमा हद नर नर्डेय हे तर्गे न यगमा है श स्मा सर नर्डेय हे तर्गे नदे हेश'तुरु'हे'युर्दा (अर्केट्य'य'र्सेम्य'य'द्रय'य'था)है। अर्केट्या ने पर्मा निटाया नित्या निस्या निस्या निस्या निस्या निष्या निष् र्देगास्र पर्मे ना है एया महिमा है। न्य में या मार्थे मार्रेश'नमुप्रा'हे'पर्में 'नपे'रेश'नुरा'हे'स्'प्रा'। (सुरा'पा' र्शेम्यायास्यायाथा।)दी स्यायद्यानेपर्मायायायाया क्षेप्तर्गेपा अर्गेप्तक्ष्रम् दिप्तर्गेपा नस्टायाञ्चर्रेप्तर्गेपा यमाना होया हे तर्गे नित्रेश होया होया हो हो हो हो निर्वामा होया व्यत्मायि श्रेष्ठ्य नगुवि यम् श्रेष्ययम् (यन्मायमः ग्रापः नगु') है। ष्टिस'यस'स'न र्झे नर स्रुक या वर्गाया स'नहगायर ब्रेन'याय न्याया युर्वाचेत्रप्या केय प्रमाया महायदे ब्रेट द् मटायायलगासेपद्गाया यद्भवेषेटादुपद्गायलगासेपद्गा या मेंट मुदे सेट मुंदे मुंद मुन्य में प्रमाया मिर्सेग्य में र्वेगानु मद या यहुमा क्षे पद्माया मद या शे शेरा यमुद्या ने त्र्वाभा वर्रेश्रश्चराचराचुशाने वर्षाभवे हेशाचुशा (प्वा प्रा)प्रमाधिन की।

चलिया बर्शास्त्र स्थार्थ से क्वा प्रमुद्द हो। प्रमुं स्थायस्य (चित्र से स्थायस्य स्यायस्य स्थायस्य स्

स्यावस्य वायि हे रहे ने स्वाहिमा है। यम हें स्यास्य (वस स्याय वस स्वाहिमा है। यम हें स्यास्य वा हिं स्वाहिमा है। यम हें स्यास्य का स्वाहिमा है। वस स्वाहिमा वस स्वाहिमा है। वस स्वाहिमा वस स्वाहिमा है। वस स्वाहिमा वस स्वाहिमा वस स्वाहिमा वस स्वाहिमा वस स्वाहिमा वस स्वाहिमा का स्वाहि

स्वाभित्री पश्च रेरे तथा अपाय व्यापाय स्वापाय स्वापाय

 नवेर'नगु'ना पनन'क्ते'क्कुत'यश'र्स्ग'हे'हुट'नवेर'ग्रेश'कु' नरु'नते'हेश'नुश'रे'नरुते॥

नर्वायार्केषार्भेवायदे शेष्ट्रवाशेया न्यार्भेषायया यापग्रीटा क्षे कें वा क्षेत्राचा क्ष्याचायापत्वा क्षेत्रे कें वा क्षेत्रा अर्वेद'र्य'न्द्रम्य'य्या स्द्रम्य'र्याद्रम्य यायायनुगा क्षे कें रा क्षेत्राया अनुतात्र रायां याया हे राज्यायमीं त्रापर्मे हे केंग हें त परे हे या नुषा हे हा (सर्मे मार्थे मारापा र्शम्बास्यायात्वा।)दी यम्सम्बन्धान्यात्राम्बन्धान्यात्रा केंश र्रेन या दे प्रवेतर में या प्रह्याय द्या केंश में या स्वाप महिरागायाम्बराया यमायामहिरामहत्यरायर्थेयाया यग्या भेश स्या पर पर्रेया पा पठश या केश सें दापरे हेश नुशके भारतीय के मार्थ के मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य र्वेर र्डमा उत्र प्रा (वृर्में त्रा र्वेर प्रत परिष्या सेर प पर्छेट्याया वेट्रप्रोयाउन्परयायार्केयार्सेन्यपेरहेयात्या ने था (मूरकेन यार्शेम्य पर्वेन पाथा) ने मूरपें के परा हा दे महिरायराम्बन यदे पर्वेन परि हेट द्वापाया

क्रिंबार्स् वा विवायाची वटार् पर्वाया प्रक्रिया स्रेक्षा चेंवा यानरुषायार्केषार्भेत्रायदेषेषात्रुषानुषाने त्या (यमान्यायाया श्चिषाः इमा। भाषाः त्यायमः यार्षेग्यायाः मह्मयार्थेग्यायाः या भर्केन क र्चेम्बर्या स्यामी र्चम्बर्या न्मा क र्चेम्बर्या में क मुंब्र'म'यञ्बाताक्र्याक्र्याक्रियाच्याप्रेयाच्या । श्चेर्यम्यम्प्रायदेश्चेर्यम्यस्य प्रमास्य प्रमास बें क्य मंद्रमा निया निया है। यह कें अपया (व ना स्था पानिवा) दी भे'न'नर'वमेट'हे'ननट'गठे'ग्रेन'या क्वे'नट'ननट'गठे' र्शेम्बरपर्देराया इर्धेन सेटायमटाम्डिर्शेम्बर्गेन्या दर्गेबर भेर्'र्'वेर'याभे'गर'यश्चापापहेंगश्यपे'हेश'तुश् (इसमार्से।) नेपिलेयेप्टरमेंपासुसारीसूयापयेसे संजनप्टा श्चतःश्चीं यदः है 'लेव ही। नगे र्शेट मी नशुट नुदे सुट न र्से अ मी अ नस्य पा है या नमु स नदुः समासुस्रालेसम्माम्यायाने पदीः दमामी। करायदे'खुयायमामालकानुमाकषानह्रम्यदे'दन्यादिह्र इसराग्रेरानसूनामिसरायसायानिता स्नामायसुमास्या सा देश'यामारेशा सट'सटासुसाद्धा वयव'वियायामी'यारेशा र्रोटा यमग्रायले। हेराचुरार्देन था ईरायाले यम चेरायते र्केश

नर्न'ने'षिस्राकेशनमु'के'मु' उ'नर्न'नेनेन'पेर्न' श्रट्सिटमी निर्वे त्याप्य मिर्पे निर्मे हिंदि साम्य में या येवर्यन्ता नयासेयानुत्वह्मायान्ताम्बुसा सूटाचेन्त्वतः विगायायया नगे हों दायि हें तायर या में या या रें या हें ताया ५८१ है'स'तुन'णु'नर'र्केश'र्सेन'या नश'रुट'सूर'परेनशा नगे र्सेट साया में राष्ट्री नगे र्सेट सिया नगे रासेट सिया नगे र्श्वेट्स न्या दिन अधुन दिन अध ८८ क्षेत्र देगा गुर लुग्याया प्रमे र्सेट अया वया र्सेर पुर पद्मा या नमें र्श्वेट अप्तर निवेद यम त्रोट न के नगा र्शेन नगा र्थे यश्रान्ती र्श्वेट अय्यश्चराये व्याप्ता म्याप्ते अप्तायश यग हु नर्गेश यश नगे र्ह्वेट सा सेन यम हुट न नर्देश गिले वड्डद'न'भेरा

वहेंन वरे ने गर्रे केर में नमन यम पर दें न समय गुरा में यापकरामनेति केन सुषामनन निमा निमार्थिय हिषामार्नेरा क्षामीं परे प्रम्मवाया र्यं स्त्रीया प्रमाय परे र्यं से मुका र्केगानेशक्षाम्या ५ ५६८ सूट मदे अव यमामाने ५८ । नश्यामा र्ह्येन्या स्वर्धियान्यस्यामेर्ट्याद्देवर्दा सुद यक्ष्मद्रद्रा केयक्ष्मद्र्यम्य भी एउद्राप्तर स्थयाद्रा सिट्या के सिर्य विद्याय वर्षा वर्षा यह या विद्या र्धे इसरा ५ में अपासुस्य सुन नुर्धे गरा रूट में ही दूर तक्रम्यायद्भावद्भायद्भायम्यम्यम्यम् नुषान्। द्यायाः भूयाम्बराम्ब्रुअाग्रीपठशायदीम्ब्रुन्स्वराद्याम्बर् यर'तु'य'र्क'ग्वर'र्ब'य'थेर्क्ति। चल्रियाचर्यायार्ल्यायार्श्वेटाचिर्ध्याचर्यात्र्याच्याच्या य'नरे'नर'ग्नय'पदे'मेन'नधेन'पदे'र्भे'नय'नशुट'र्ख्य' मार्श्यादी पर्पामाल्टा समयाप्यसम्बर्धायमः मुर्पे। १३ सया स मशुभायाक्षभावाधीरावर्षभाद्धभादी देखराभाववार्श्ववाधी इट'क्र्य'हे'क्र्र'प्याञ्चट्य'य'क्ष्र्र'र्टाकुर'य'हेराक्षेर्'

यायत्रिक्याम्बर्यायस्यायन्यायन्। विवाधिक्याम्बर्यायने ना

क्यामुस्रायकयानास्यानस्याचे॥

विषामासुरषाया भूराधेवायषा स्वाप्य विषाय विष्य यसुरायामाया के। दे क्षर्र्याष्ट्रिस्याद्वरायराद्यायापद्वरायायाया क्षराया वर्द्यानिक स्त्री प्राप्त के स्वर्थ के स नर्गेषायते क्षे प्रविदे निर्मे केषे मेषाय क्षित प्राचित क्षे क्षे केष यशा में ८ दु प्रमन्द पा सुर द्यो पदि प्रमेश माहे द द्या प्रने द क्षाञ्चर ज्ञर मी मक्र या अपश्यम्य प्राचा प्राचा अपगुर्था या सिट्याप्ति द्वारायप्रास्त्री सेन्यायर्थे सम्बद्धार्य रेते पठराय प्राम्य में मार्या स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स् इस्रायाम्बर्धस्य मेर्नेन्यान्ता नमासेन्याकृतानात्वुतानवे र्भे भिरायया में टार्पन्दाया स्ना स्वार्प्त्रायहेता यवे दुन य दूरा विश्व प्रविन्न हैं के विवार्थे द दर्भ व्यापित र र्झे त्रार्रा मी 'र्झे मार्युर्या या यह मा से 'हे या सुरा यह राय ये 'र्झे' इसरायमीमानमीसा हेन सें स्थान मान्य हिंदा नाय हिंदा नाय है थेन'मशा रूट'कुर'य'र्हेन'र्सेटश'म'माट'नश'के'न'रे'र्रट'रेते' माहेत'र्य'महेत'र्मोश'य'र्येर'सर्वेत'ता वर्रेर'कमाशम्बर'के' यायानेवियाहेतायांकी स्वायांकी यापाना नेपालेतातुले स्टा मी'माहेत'र्सेर'चुस्रा'पा ८'कुय'ग्री'माहेत'र्सेर'पस्रा'णु'र्या' न्त्री गृहे सुग् में गृहेन सें में में ने ने ने प्राया सेंग्र में ने सें प्राया र्शे र्शेदे मानेन भेरा महेन नया येयया सुन हेन से एया पदे नगर रु'अ'र्शेट'नदे'वनअ'य'दनदा माय'रे'शे'नेश'य'र्शेमाश'णे' न्यरमीश्हरम्बार्मिश्यरमुरम् ने'स्रमार्टेनेश्यर नुषाने भूटा ना सुरान र्रेषा द्वापान नुष्टा द्वापा है भूरा मासुर्या पा ८८.शरीय.तम्ब्रीयश्चाच्छा.यद्राच्याः स्थायच्याश्चीयाचित्राः ने भेश भूट प्रटालगा मुं अप्योगिया यम मुं प्रेश ने भूम अप नुषायमा हेषासूरा नरालगा मुखर्गिग्यामा हेनामे प्रविकासूरा याकेशावसूरायिवायस्यायास्यावस्याक्षात्र्यात्र्याक्ष्याक्ष्यास्या र्भे के दर्भेर प्रमुर प्रथापदी प्राप्ति पुर विषय । मुभर्या मुन्यस्य प्राप्त प्रस्य मुन्यस्य स्था मुभर्या मुभ्या मु

<u> ने भूर र्द्ध्य विस्राणी प्रभूत पात्र प्रभूत प्रभूत प्रभूत के स</u> क्या ग्रेन'यय'ग्रेमर्डेम्ने युयान्दामामे हेयार्धेन'नुया विगायस्मस्यायम् न्यायन्याम्बेनः स्ट्रीयायाः गुःर्नेन्याधेनः यदै'तु'न'सट'र्ये'य'बेसबाइस'यर'ग्येट'न'र्सेग्बारेनुदे' माधेट'न'रमाश'स'इसश'वि'नर'तेुर'स'सर्वेट'नदे'र्केश'या' यरे'यर'ग्रव्याप्टा हग्र्प्याप्ट्रंप्यार्थेर्'यदे'र्झे'व्यास्टातूट यान्त्रानेषाद्यानित्रन्यमेत्रामयेषाश्रुषानेदादेष्यमेत् त्रमा दुःत्यायायदे मुंदेगाया अर्केमा दुः सुरायराया अदिः माधेट'न'रमाश'य'इसशं ले'न'य'नहेत'त्रशंत्र'रु'धट'न्म' दर्हेगामी'नश्रभमान्न'यामार्नेयामुदे'नश्रभायानेगार्ट्या मैशप्रेन्स्वित्। नेपिकिं मित्रास्य मित्रास्य मित्रास्य मित्रास्य स्वास्य स्वास बि'नदे'वनशस्य हैट'टे'दिहें न्यी'नसून'यदे'टें नें बि'मानश नश्चराम्य मार्थित्रीम्याया ने हिताय्याम्य मार्थिता नि वह्मा'यश'दमो'र्बेर'माट'ठुश'र्सेनशके'न'र्सेमश'ग्री'यत'र्पेत' वर्ष्यान्यान्यान्यान्यान्या दे सूर्यान्या ने सूर्यान्यान्यान्या मुै'द्रयेद'यदे'म्बस्यासु'र्द्ध्य'म्बस्य स्यापर'द्या'य'याम्बस्य क्या क्रें में अट में म्यां वर्षेयाय देश द्रा पर्दे द या पर्दे द य यदे दस में मारमायाया दसया श्रू द्या है 'दर्ने द क्टा केंगा नेया या

नर्रेशमानि निमानस सून भरे निभामा हेन या हिन भरे न्भेगशया न्युन्यास्यार्ह्वेत्यो न्भेगशया सामश्यदे न्रीमार्था हेन्स्स्रास्या स्वास्त्रास्यास्या स्वास्यास्या स्वास्यास्या स्वास्यास्या स्वास्यास्या स्वास्यास्य स्वास्यास्य स्वास्य स्वास विमार्थे दायाया दे प्रविक माने माया परि सुप्या द्यामाया क्या नश्चन्यस्ययानिःविद्या यदयामुयाहेयासुः त्रायार्थे गयाणेः यत'र्थेत'र्थेत्। मृद'य'र्से हे श्चेत्र'गूद्रा यग'य'स्रध्याप्तवग । मेर्'य'र्ट'र्येर'यश्रम् र्थे'यह'र्ट'ययथ'शु'यलग । भेरें हे' गार प्रविषा पासी सुरामान द से मारा पर पर से स्वा स्व में से द टॅर्युन'यदे'न्नर'येदे'भ्रु'अटॅन'सुअ'य'भ्रु'तु'विग'ग्राया' यह्यायायायोग्रमा हेरमा हेमा हुर भेगमा हमा हेमायवमा सुनि हेशायाधेवायशा देवेगाहेवार्येमाहेटारोप्टेवाग्रीप्रेवाहवा हैट पहें न या रेंग निया ने न रेंग निया ने प्राया है या निया न स्वाया ने न ह्यटा से प्रविष्टिता केटा दे प्रविद्याप पर्वा प्रविष्टिता प्रविष्टिता प्रविद्या प्रविष्टिता प्रविद्या प्रविद्य प्रविद्या प्रविद्य प्रविद्या प्रविद्या प्रविद्या प्रविद्या प्रविद्या प्रविद

इक्यिये क्षेत्र क्षेत्र विदायहेराया हेश्या यथिता देवे या हेक्यें रा शेशवादशेमवा हेत्या हे महिमा हु दशेमवा वका देमा पादर य्र पुर्य के प्रदेश स्र र र र से दि प्रति नर्गेषा हिटाटे पहें न पाय अध्यास्य प्रवासिक में न माहेश हेश याधीत यथा देवे माहेत यें र मुद्द में र प्रमुद थे वर्वटानम्बान्धानुग्रानेदार्केटा। इटाकेंदेखावबार्टेक्शायवे नेशप्तित्रपहेत्रप्तिशा हिटाटेप्दिह्नस्यप्तामुद्रप्यास्रुप्ति त्माया मुक्ता युषा रोधवा शुः विदादिया वाया या भी मायाया या माहिता र्यो यदे इस्या भाष्ट्र यु प्रवृद्द प्रयो प्रमाया प्रमाय प्रमाय प्रमाया प्रमाया प्रमाया प्रमाय मार्थाक निष्मान्य कर्षे निष्ण निष्ठ कर के निष्मा के स्थान सुद्र'य'नन्य'य'क्षु'तुदे'त्रेट'न'रम्य'य'न्टा म्यायाक' र्शेम्बर्धित् युद्दादिन सूद्वरणी भुम्बरालन प्रवासे द्वित मिना मी पा क्षानुति नुदाना सार्भे। ख्याधिन दुर्वेदानाया शेशशावर्से निवे में द्राया श्रीमाशा हिटा यहें द्राया यह द्रामा रेंद्राया माटा सुटा सुटा यदि। कें माहेन में पद्भी मुद्दारा है या प्रमाय पद्दा मुद्दारा मुद्दा मुद्दारा मुद्दार मुद्दारा मुद्दार में ८ स्य रमायामाट चूट यह दे अध्यम हु से से दे मा हे के से अदि न नश्चरवायवानुदार्मेदास्यां अपदासेदायरायेसवा निदायहें दाया

क्षेयार्वेयाः वृक्ष्वाक्षेय्वद्यायम् यह्यायि केष्याक्षेत्रः स्वर्यस्य पर्नु ग्रेर या हेशाया थेता हे ये के मेशा चित्र शे के या पा भी ग्रेर यर विट मीस्राय प्रयाप्त द्वार हुँ द कमास य निमा गुरा है माहे द यें। वर्षे ग्रेरं यरमान्द क्षेत्रयासु वर्षेया र्षेया पेया रे सु चुतै र्द्ध्या मुर्च र द्व्या घ्रयम् अपम्य र्भेषा येग्या यम् प्रमुट्या यदे अधरायुषा बेसवा मिता श्वार मी पारे प्राचीता पारे वि मात्रा अर्जन हेर यार्चेन यायेना परेम र्झेश यदे ले ग्वन्य हेट पहेंना र्भेट रह्मायदी के अर्देर यस्यायमें र्भेषाया र्यं अलिग से। हिट यहें में हिंदि स्वाया में भर्या मान्या न्या मान्या ने प्रमा क्षेत्रश्चमामीयात्म्यातासुमायार्थमायात्वेतासमाने तसमायासुया माममान्त्रमासुरार्या १ समासुराउन में प्रयोग्या यमेशमाहेत्रची लयायश हेगाश सम्यु दर्गेशा ने भूर बेबबा द्वीम्बायाया हे महिमा हु है पर्ने द द्वा अवा यर पर्हेगा यदे पदे मार्थाया है। हैंगा यदे हिट दे पहेंद पहता यें। त्युत्र क शेशया दशेमया पायया मालक दुः शे माणे दात्र हे ८८.श्रु.पर.परीर.र्भेचश.वेष.रे.क्रु.च.पवीट.चशा ट्रे.यश यदमा सेद 'यदे 'केंस' या सें 'सेंस यहमास' हे 'यहमास' देंद 'या'

न्रीम्बार्यये मेबार्य ग्रीप्रस्ता मेवा नेवा मु अर्द्ध ले माद्रश्यम् प्राप्त प्राप्त प्राप्त मा से द 'ग्री 'दें द 'या से 'से र हें मा यदिनेशरम्याण्चित्रस्य सङ्ग्रीयायाको दावार्षिरायावगुयाचेदा यन्मायद्वेत्रः श्रेमाशः श्रेत्रः श्रेट्याया स्थया द्वटा त्र्याय ग्रेतः यूरा श्रे त्रायमा नेपन्ते मेटपहें नेपानम्यायने प्रमान्या प्राप्त वर्यियोगीप्यदार्वियायरकीप्ययुरिष्टा देशक्रिंक्सेंद्रश अ'सुब'र्पार्शेट'चदि'माहेत'र्ये'चदमा'सेट'र्हेमब'र्यदे'वेब'रूच' देश'यर'वश्चेर'यर'वेर'दर्गेशा दे'य'र्शेग'अर'दमामा'वृदे' यरमार्टेशयबुटायामायाके बेटा रमामा सुदेश्यरमा रा रे नगाना भरे निन्ना से दार हिंगा र्द्धाया सहा सामा सामा स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स मून'अवत' श्व'न'निले 'र्से 'र्से र्से र निले द र्स्या से 'यद् 'न 'र्से द 'से दे त्र प्रश्नात्तु अप्रवापत्युर प्रते क्षाप्त केत् अर्केग पृप्युर पा धेवाया देशके हेवाय नेया ने माहत के माया यह वा वर्षा यरमार्टायरमामीयार्शमश्यम्यत्रभणीर्केशवस्र र र्दायित्र मुराय्याय परिष्ठ क्रिन् हुया र्डमायदा भेनाया द्वा यः श्रुद्राद्युः प्रच्यायुः चुद्रायुः इस्यामालमा वस्या उद्राचित्रमा ॸॖॱढ़ऻॕॴॱॳढ़ऀॱक़ॕॖॱढ़ॺॱऄॗ॔॔॔॔ॱॳॱॸ॔॔॔॔ॱॸ॓॓ढ़ॱढ़ॿॖ॔॔॔ॱॴॶऀॺॱॴड़ऀॴॱ

म्मिन्यासुम्मर्रमाप्तकरानविष्ट्रानविष्म् नद्रायादेशायाङ्गेरायरा नुषाने क्रिंट निर्वाचना नेषा क्षेत्रा क्षेत्रा में स्वाप्त निर्वाचना नेषा क्षेत्र निर्वाचना निर् वेगान्सम्यासर्वेनम् पर्वेन्या धुगन्मान्या इसराप्यस्य द्यारे प्रयाप्य प्रयापि प्रयापि द्यार् प्रयापे स् नश्यापानर्र्थायाधीत्राप्यासुत्रान्स्यात्याः १८ मा विषा यार्शेर्भेदेग्मरायमाचीपुराक्तांर्षेतास्रीमाम्सुरामनाचीपेताया र्वेषायष्ठामार्डे पेराचेराचेरा हैयाषामार्थमायदा ह्वेरायाया नर्डेन'यदे'र्केमश'यस'८८। दे'न्याप्त्मासेट्'र्हेग्यापदे'ने क्षमा बुद प्रचेया ग्री क्षें भा ग्रुद मी मेश रचा र्घे चा या का र्ह्हे रायस र्वेचा ५.२५ प्यरमा भेरायदे र्रेक या के मार्डमा रू क्षेत्रायया त्रभा""भाषत् प्रायाप्रभाषात्रेभाषात्रेभाषात्रेभाषात्राभाषात्रभाषात्रा सुभार् अर्घेटा या का सर्वेटा या भी का या ना से दाय है। र्देन'अर्घेट'चेन'मेंअय'पर'गुय'पयापयय'मसुय'ग्रेंअ'स्ट' *ৡ৾ঀ*৾য়৻৺য়ড়৻৺য়ৢঢ়৻য়য়য়৻ৼৢয়৻য়ৢয়৻য়ৼ৻য়৻য়য়য়৻য়য়৻ र्रे हे 'क्षे 'तुते 'हैट 'टे 'त्रे क्षे क्षे के के के के के कि के कि के कि अवतःनगामान्नःनः स्टार्यायानः स्टार्याः मी न्याः नर्रेभायते मी त्यर र्चेन य भेता वेग केत या नश्या य कु के न न न ना यश मालक्रमा ठेश प्रदे । चुट क्य ग्री शेशश ५८ । देश ५८ श प्रदे

र्धेर'य'मु'के'य'ध्वर्रोगय'यर'ध्वर्त्वग'मी'१४या'पेर'य' नश्चन'भ्रे'वेग'केर'ग्री'र्केगश'यस'न्ट'र्भेर'यस'सर्टिर'र्नुरेर' ठिटा ने नमार्सेट हेन सर्वे सुमार् में माया यदी या नटा सेवि पो नेश्यासर्वेदायसान्य करासेदायसान्दा इसाम्यायसान्स्या मुश्रिं म्हे मदेव पहें व गूव महमाश्रिमश्र भर्षे द सि स युर्यायाञ्चट्यानेटा। ह्येन्यायायम् स्ट्रेन्याने अर्थायेन केयाञ्चना यार्चेना देवसासाञ्चनासादगुर्से सेवि स्निनसासु प्यमासुन द्वा *अप्रम्*तिक्षश्राचेत्रकेशक्षमायारे रे प्रेचि केटा अप्रमाशः नर्वः मुः माव्याः स्नायाः सुः मिर्ययाः मासुस्याः र गुतेः स्निसः सिर् केः <u>पत्रीट 'इसस्य सासुर्या में सामीर 'ने सामीर 'पत्रिमात्रस्य '</u> য়ৢয়য়৻য়ৢৢৢৢৢয়য়য়য়৸য়ৢয়৾য়ৣ৾৽য়ৣয়<u>ৢয়</u>ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়য়ৢয়৸য়ৢয়৸ঽঢ় ठर'रु'श्रूट'र्नेश

क्षान्सून्याक्षयाकेक्ष्मात्याकेक्ष्मात्याक्ष्याः मुन्यान्या माँभेशक्तुंकेन र्योग्मर्थमा द्रमीश्रिन्। दुश्युन रेट र्यो देश्यु यासार्ह्रेबायमार्के'वर्रे हिरायाबदबासुबाणु में वयदार्घेनायमा पर्नेन'ना प्रभाष्ट्रन'र्से ट'नशं कुन् श्वेटशं पार्थेन'र्नु पर्ने हैं। हैं। हे 'र्ह्सेन' नर्ये क' अर्जक' है न' न न 'स्व' य' विषा' र्ज्या पविक' नु' न स्वे क' क्रामायट स्माय णे र्सेस पार्ते ५ 'दे। हे स्मायय तुर्य पारे न्याकेषा'न्दा ई्यायास्ययार्ख्यान्वेत्र'न्युदानाष्विरानुया क्या सूर्थेर्कर्ष्वक्यायम्रायाष्ट्रयाध्याया १८४४ सु तुर्या द के पर्टे ११ दि । या या या सुया गुर्या प्राप्त । यम्बुश्याधेवायश्वा में दारु र्रेश्यये र्धेवा नवारे प्रमा वसमार्द्या मिले हेत्रसवर मातृगमा कुत्र विसमा हेराया म्मायम्यार्भरदेवे भुम्यम्यावन ग्रीर्द्रमाध्रमः भूगय्ये मावे मी'ट्रे'सदे'र्स्सेन'ग्रीय'य'इस'यर'ट्या'यर'ट्य'य'र्से'ग्रुन' वशायनद्रायमायक्याये॥॥

सहमा'चुट'।

स्यात्रेत्रः स्थान्यतः द्वाराण्याः स्थान्यतः स्यान्यतः स्यान्यतः स्यान्यतः स्थान्यतः स्थान्यतः स्थान्यतः

निवानु रम्याया प्रति हिंदा स्वापा । विवानु रम्याया । विवानु रम्याया । विवानु रम्याया ।

येमाकेमायमाणुप्यान्य प्रत्यान्य प्रत्य प्रत्यान्य प्रत्य प्रत्य प्रत्यान्य प्यान्य प्रत्यान्य प्रत्यान्य प्रत्यान्य प्रत्यान्य प्रत्यान्य प्रत

केशकेराधुरायदेग्ग्यायायवदेग्य्या। दुग्गकेताधुरायदेग्याधुरायदेग्यया। देन्द्रादेश्यक्राध्ययाध्या देन्द्रादेश्यक्राध्ययाध्या देग्यदादेश्यक्रायाध्यायाध्यायाध्या

क्रॅट'रट'क्रैट'हे'रचेर'केर'यरा। बुट'एड्म'र्से'हे'एहेरपेर्द्रभपेर'यरा। खे'स'सुर'पायश'सुर'परा। पर्मेर'परे'सुर'णट'एट्रे'मठेश'क्रुआ।

ने भुर र्से स्वर्मेग्यर रे नग

१ त र्चेश हो पदि मालु द त्युमाश त्या। चूट'नदे'र्से' घर रहुता विस्राया। नकुषाद्रादेन कुर भे भेभषायम्। नम्रम्यदेगाले न्दरस्य स्या <u> नहमाश्रासदे द्वापदे भेश र्चेशया।</u> हेशशुर्श्चेय उट हेर पहण या इक्रन्दरं नेशानिक्रानमा र्थेद्रान्द्रा। ट्रें क्रं नेया नेट मुया स्वाप श्रुट या मैन मृत्य प्राप्त मु नहटार्हेमया श्रीटा सुगा थी गु से । गान्न परेषे सपार्श्वर धेर रे।

ने सिन् श्रुष्ठा स्वर्ध्य स्वर्ध स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वय्य स्वय्य स्वय्य स्वयः स्वर्य स्वय्य स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स

दमोर्सूट प्रमुद्ध प्रदेश मुं अर्के धिया। क्षेमार्स्च र सुद्ध प्रमुप्त प्रदेश सुद्ध प्रमुद्ध प्रमुद्ध

नमें प्रनेश्याम् म्याप्त्रीं मान्ता।

ह्यन्यम् मान्या उत्र लिटा सर्वेमा मी ।

स्या स्वा मार्लेन सु स्या में नमा।

प्रभा प्रनेश सु टा केन स्यम में मा ।

प्रभा प्रनेश सु टा केन स्यम में मा ।

यर'गुट'र्सेन'र्केग

७९। | इसम्मियाले निर्मेश स्ट्रिंग स्त्रीया हैना है। | मार्लेयानवे अववायमार्केमार्स्यानयात्रामा। कैमामी नेमायायारेया चूट दुमामासुसामी। नुभार्भेट्याय्युरायेग्यायन्तरान्त्रा केयर्गा यर'रु'नश्चर'यदे'इस'र्गर'सुट'रेदि'सशुर्गा लट.रचा.क्रा.क्री.स्.स्.स्ट.सचा.पची। मद्रमाने मुद्रस्ते पर्मे प्रमास्य देश'येगश'र्वेर'तुवै'अर्हेर'य'द्यद'वर्तुर'र्वेगा ठेश'य'वर्र'षट'रेट'रुश'षेर'श्रुय'ग्रेश'ग्रुर'यत्स्रश्रायदे'ग्ना' गुँदि भैग र्धेन के प्वन्य प्राया प्राया मार्थ र्थेट्य के या स्वर्धी रिटा रू युनायदे नसून या नेन यें के हैन सेंदे सूट ना सून दनम ना ने के भेट मी भ्रमा स रस रुष रुष हेरा सम गुरा र्धेमार र ट र्सेमार व द्या स्व चै अर्देव क र्शेम् या न्या निया परि मार्वे प पर्वे च च च च र्बेर पाने हैन रेपनेन निन्द र प्रमान के मान के मान के मान के मान के स्थापन के स म्दर्केषायायर्केष्ट्ररावर्षयायायदेर्पायाय्येषाय्येदर्वेषायाय नुटार्सुग्रार्मेर्गायायायत्रुत्रात्रस्तायते से मेर्स्स्राय्यास्य चित्र गर्थे अपे के मार्ट प्रमाय प्रति हिंद्य प्रदेश स्ति प्रति । मार्ट प्रमाय प्रति हिंद्य प्रदेश स्ति । स्ति प्रति हिंद्य हिंद हिंद्य हिंद्य हिंद्य हिंद्य हिंद्य हिंद्य हिंद्य हिंद्य हिंद्य हि